**Q.1)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

**कथन 1 गलत है**: प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को सचिवीय सहायता प्रदान करने के लिए अनुच्छेद 77 (3) के तहत बनाई गई प्रशासनिक एजेंसी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। व्यवसाय आवंटन नियम 1961 के तहत इसे विभाग का दर्जा प्राप्त है। इसे एक अतिरिक्त-संवैधानिक निकाय के रूप में दर्जा दिया गया है, न कि एक वैधानिक निकाय के रूप में।

दूसरी ओर, कैबिनेट सचिवालय एक कार्यकारी निकाय है। भारत सरकार (व्यवसाय का आवंटन) नियम, 1961 (एओबी नियम) और भारत सरकार (व्यवसाय का लेनदेन) नियम, 1961 (टीओबी नियम) भारत के संविधान और कैबिनेट सचिवालय के अनुच्छेद 77 (3) के तहत बनाए गए हैं। इन दोनों नियमों के प्रशासन और कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है।

**कथन 2 गलत है**: कैबिनेट सचिवालय सीधे प्रधानमंत्री के अधीन कार्य करता है। सचिवालय का प्रशासनिक प्रमुख कैबिनेट सचिव होता है जो सिविल सेवा बोर्ड का पदेन अध्यक्ष भी होता है। जबकि, पीएमओ एक स्टाफिंग एजेंसी है जो भारत के प्रधान मंत्री को उनकी भूमिका, कार्यों और जिम्मेदारियों के कुशल निर्वहन में सहायता करती है। यह सीधे प्रधानमंत्री के अधीन कार्य करता है।

**कथन 3 सही है**: पीएमओ प्रधानमंत्री को सचिवीय सहायता प्रदान करता है। इसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव करते हैं। पीएमओ एक संविधानेतर संस्था है जिसका भारतीय संविधान में कोई उल्लेख नहीं है। हालाँकि, इसे भारत सरकार के व्यवसाय आवंटन नियम, 1961 के तहत एक विभाग का दर्जा दिया गया था।

दूसरी ओर, कैबिनेट सचिवालय भारत सरकार (व्यवसाय का लेनदेन) नियम, 1961 और भारत सरकार (व्यवसाय का आवंटन) नियम 1961, सरकार के मंत्रालयों/विभागों में व्यवसाय के सुचारू लेनदेन की सुविधा प्रदान करता है।

Source: Laxmikant 6th Edition.pdf

https://cabsec.gov.in/content.php?page=12

https://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/25784/1/Unit-8.pdf

**Q.2)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है**

**युग्म 1 गलत है|** पिट्स इंडिया अधिनियम, 1784 ने कंपनी के वाणिज्यिक और राजनीतिक कार्यों को अलग कर दिया। वाणिज्यिक कार्य निदेशक मंडल के मौजूदा निकाय को सौंपे गए, जबकि कंपनी के राजनीतिक कार्यों की देखभाल के लिए नियंत्रण बोर्ड नामक एक नया निकाय बनाया गया। इस प्रकार दोहरी शासन प्रणाली का निर्माण हुआ।

**युग्म 2 गलत है|** यह 1833 का चार्टर अधिनियम था (चार्टर अधिनियम 1813 नहीं) जिसने बॉम्बे और मद्रास प्रेसीडेंसी की विधायी शक्ति को छीन लिया, जिससे भारत के गवर्नर-जनरल को पूरे ब्रिटिश भारत पर विधायी शक्तियों का प्रयोग करने की अनुमति मिल गई।

**युग्म 3 सही है|** 1853 के चार्टर अधिनियम ने सिविल सेवकों के चयन और भर्ती की एक खुली प्रतियोगिता प्रणाली शुरू की। इस प्रकार, अनुबंधित सिविल सेवा को भारतीयों के लिए भी खोल दिया गया।

Source: page 52 chapter 1 - Historical Background - M. LAXMIKANT

testinpdf.com

**Q.3)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

**विकल्प a सही है**: सबसे उम्रदराज सदस्य डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को फ्रांसीसी प्रथा का पालन करते हुए विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। बाद में डॉ. राजेंद्र प्रसाद को सभा का अध्यक्ष चुना गया। इसी प्रकार दोनों एच.सी. मुखर्जी और वी.टी. कृष्णामाचारी को विधानसभा के उपाध्यक्ष के रूप में चुना गया। अतः सभा में दो उपाध्यक्ष होते थे।

**विकल्प b सही है:** 13 दिसंबर, 1946 को, जवाहरलाल नेहरू ने विधानसभा में ऐतिहासिक 'उद्देश्य प्रस्ताव' पेश किया। इसने संवैधानिक संरचना के मूल सिद्धांतों और दर्शन को निर्धारित किया। उद्देश्य प्रस्ताव को 22 जनवरी, 1947 को विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से अपनाया गया था। इसने इसके बाद के सभी चरणों के माध्यम से संविधान के अंतिम आकार को प्रभावित किया। इसका संशोधित संस्करण वर्तमान संविधान की प्रस्तावना है।

**विकल्प c गलत है:** रियासतों के प्रतिनिधि धीरे-धीरे संविधान सभा में शामिल हो गए। 28 अप्रैल, 1947 को छह राज्यों के प्रतिनिधि विधानसभा का हिस्सा थे। देश के विभाजन के लिए 3 जून, 1947 की माउंटबेटन योजना की स्वीकृति के बाद अधिकांश अन्य रियासतों के प्रतिनिधियों ने विधानसभा में अपना स्थान ग्रहण किया।

**विकल्प d सही है:** 1947 के भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम ने संविधान सभा को विधायी कार्यों के साथ सशक्त बनाया। दूसरे शब्दों में, सभा को दो अलग-अलग कार्य सौंपे गए, अर्थात् स्वतंत्र भारत के लिए संविधान बनाना और देश के लिए सामान्य कानून बनाना। इस प्रकार, विधानसभा स्वतंत्र भारत की पहली संसद (डोमिनियन विधानमंडल) बन गई। जब भी विधानसभा की बैठक संविधान सभा के रूप में हुई तो इसकी अध्यक्षता डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने की और जब इसकी बैठक विधायी निकाय के रूप में हुई तो इसकी अध्यक्षता जी.वी.मावलंकर ने की। ये दोनों कार्य 26 नवंबर, 1949 तक जारी रहे|

Source: page 72 chapter 2 -Making of the Constitution- M. LAXMIKANT

**Q.4)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

**युग्म 1 गलत है**: भारतीय संविधान की बारहवीं अनुसूची नगर पालिकाओं की शक्तियों, अधिकार और जिम्मेदारियों की रूपरेखा बताती है। इसे 1992 के 74वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के माध्यम से पेश किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत में सत्ता का विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन को मजबूत करना था। भारतीय संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची पंचायती राज संस्थाओं, गाँव, मध्यवर्ती और जिला-स्तरीय स्वशासी निकायों की शक्तियों, अधिकार और जिम्मेदारियों की रूपरेखा बताती है। इसे 1992 के 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के माध्यम से पेश किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत में सत्ता का विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन को मजबूत करना था।

**युग्म 2 सही है**: भारतीय संविधान की नौवीं अनुसूची कुछ कानूनों को न्यायिक समीक्षा से छूट देती है। इसे शंकरी प्रसाद मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तुरंत बाद 1951 के पहले संशोधन अधिनियम के माध्यम से पेश किया गया था। शंकरी प्रसाद मामले में अदालत ने घोषणा की थी कि संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को चुनौती दी जा सकती है, यदि वे संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।

**युग्म 3 सही है**: दसवीं अनुसूची, जिसे दल-बदल विरोधी कानून के रूप में भी जाना जाता है, को 1985 के 52वें संशोधन अधिनियम के माध्यम से राजनीतिक दल-बदल की व्यापक प्रथा को रोकने के लिए पेश किया गया था, जिसने आजादी के बाद से भारतीय राजनीति को अस्थिर कर दिया था।

Source: page 114 chapter 3- Salient Features of the Constitution - M. LAXMIKANT

**Q.5)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

एफएओ द्वारा हाल ही में जारी की गई रिपोर्ट से पता चलता है कि अक्कादी सालू सहित पारंपरिक फ्रेमिंग प्रथाओं के उपयोग से भोजन उत्पादन की बढ़ती मानवीय और पर्यावरणीय लागत को कम किया जा सकता है।

**विकल्प b सही है**: अक्कड़ी सालू, कर्नाटक में वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए डिज़ाइन की गई जैव विविधता-केंद्रित पारिस्थितिक कृषि दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। यह विधि अंतरफसल को अपनाती है, जिसमें फलियां, दालें, तिलहन, पेड़, झाड़ियाँ और पशुधन का विविध मिश्रण शामिल होता है, जो मिट्टी के स्वास्थ्य को बढ़ाने में योगदान देता है। विशेष रूप से, यह पारंपरिक कृषि पद्धति शून्य रासायनिक उर्वरकों, शून्य रासायनिक कीटनाशकों और भूजल पर सीमित निर्भरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती है।

testpdf.com

अक्कड़ी सालू का सार सिद्ध पारिस्थितिक सिद्धांतों के पालन में निहित है जो स्थानीय रूप से अपनाई गई कृषि प्रणालियों में सहजता से एकीकृत हैं। कीटनाशकों पर निर्भरता कम करके यह विधि मिट्टी के भीतर जीवन को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अतिरिक्त, अक्कड़ी
सालू किसानों को अपनी भूमि के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए सशक्त बनाता है, विशेष रूप से वर्षा पर निर्भर कृषि परिदृश्यों में, जिससे कृषि पद्धतियों में स्थिरता को बढ़ावा मिलता है।

Source: https://www.thehindu.com/news/cities/bangalore/a-film-that-throws-light-on-the-connection-between-women-and-millets/article67610011.ece
https://snehakunja.org/public/assets/pdf/RRAN/Akkadi%20Saalu.pdf

**Q.6)**
**Ans) d**
**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**
**विकल्प a गलत है**: बंधुत्व का अर्थ है भाईचारे की भावना। संविधान एकल नागरिकता की व्यवस्था द्वारा बंधुत्व की इस भावना को बढ़ावा देता है। साथ ही, अनुच्छेद 51-A में मौलिक कर्तव्य कहते हैं कि भारत के सभी लोगों के बीच सद्भाव और समान भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा।
**विकल्प b गलत है:** प्रस्तावना में 'न्याय' शब्द तीन अलग-अलग रूपों को अपनाता है- सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक। सामाजिक न्याय जाति, रंग, नस्ल, धर्म, लिंग आदि के आधार पर किसी भी सामाजिक भेदभाव के बिना सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार को दर्शाता है। आर्थिक न्याय आर्थिक कारकों के आधार पर लोगों के बीच गैर-भेदभाव को दर्शाता है। राजनीतिक न्याय का तात्पर्य है कि सभी नागरिकों को समान राजनीतिक अधिकार, सभी राजनीतिक कार्यालयों तक समान पहुंच और सरकार में समान आवाज मिलनी चाहिए।
**विकल्प c गलत है:** 'समानता' शब्द का अर्थ समाज के किसी भी वर्ग के लिए विशेष विशेषाधिकारों की अनुपस्थिति और बिना किसी भेदभाव के सभी व्यक्तियों के लिए पर्याप्त अवसरों का प्रावधान है।
**विकल्प d सही है:** 'स्वतंत्रता' शब्द का अर्थ व्यक्तियों की गतिविधियों पर प्रतिबंधों की अनुपस्थिति और साथ ही, व्यक्तिगत व्यक्तित्व के विकास के लिए अवसर प्रदान करना है। भारतीय लोकतांत्रिक
व्यवस्था के सफल संचालन के लिए स्वतंत्रता अत्यंत आवश्यक है। हालाँकि, स्वतंत्रता का मतलब वह करने का 'लाइसेंस' नहीं है जो किसी को पसंद है, और इसका उपभोग संविधान में उल्लिखित सीमाओं के भीतर ही किया जाना चाहिए।

Source: page 126 chapter 4- Preamble of the Constitution - M. LAXMIKANT

**Q.7)**
**Ans) b**
**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**
**कथन 1 सही है|** भारतीय संसद को संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत राज्यों को पुनर्गठित करने का अधिकार है। संसद को अनुच्छद 3 द्वारा यह अधिकार दिया गया है:
किसी राज्य से क्षेत्र को अलग करके या दो या दो से अधिक राज्यों या उनके हिस्सों को मिलाकर, या किसी क्षेत्र को किसी राज्य के एक हिस्से के साथ जोड़कर एक नया राज्य बनाना।
किसी भी राज्य का क्षेत्रफल बढ़ाना।
किसी राज्य का कुल क्षेत्रफल कम करना।
किसी भी राज्य की सीमाएँ बदलना।
किसी भी राज्य का नाम बदलना।
**कथन 2 सही है|** भारतीय संविधान का अनुच्छेद 3 राज्यों के पुनर्गठन से संबंधित दो शर्तें बताता है:
राज्यों के पुनर्गठन से संबंधित विधेयक केवल भारत के राष्ट्रपति की पूर्व अनुशंसा से ही संसद में पेश किया जा सकता है।

testpdf.com

विधेयक की सिफारिश करने से पहले, राष्ट्रपति को एक निर्दिष्ट अवधि के भीतर अपने विचार व्यक्त करने के लिए इसे संबंधित राज्य विधानमंडल के पास भेजना होगा।

**कथन 3 गलत है|** संविधान के अनुच्छेद 4 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि नए राज्यों के प्रवेश या निर्माण से संबंधित कानून (जैसा कि अनुच्छेद 2 में निर्दिष्ट है), नए राज्यों का गठन, और मौजूदा राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में संशोधन (जैसा कि अनुच्छेद 3 में कहा गया है) अनुच्छेद 368 के तहत संवैधानिक संशोधन नहीं माना जाएगा। इसका मतलब है कि ऐसे कानूनों को पारित करने के लिए सामान्य विधायी प्रक्रिया और साधारण बहुमत दोनों का उपयोग किया जा सकता है।

Source: M. Laxmikanth Page 136

**Q.8)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

लैचेस के सिद्धांत में कहा गया है कि अदालत केवल उन लोगों की सहायता करेगी जो अपने अधिकारों के प्रति सतर्क हैं, न कि उनकी जो नहीं हैं। अंतर्निहित सिद्धांत यह है कि अदालत को पुराने मामलों की जांच नहीं करनी चाहिए, क्योंकि अदालत को ऐसे व्यक्ति या पार्टी की मदद करनी है जो सतर्क है और अकर्मण्य नहीं है।

**विकल्प a गलत है:** आच्छादन के सिद्धांत (Doctrine of Eclipse) में कहा गया है कि मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला कोई भी कानून शुरू से ही शून्य या शून्य नहीं है, बल्कि केवल गैर-प्रवर्तनीय है, यानी, यह मृत नहीं है बल्कि निष्क्रिय है।

**विकल्प c गलत है:** छद्मता विधान का सिद्धांत(Doctrine of Colourable Legislation): अभिव्यक्ति "छद्मता विधान" का सीधा सा मतलब है कि जो प्रत्यक्ष रूप से नहीं किया जा सकता है, उसे अप्रत्यक्ष रूप से भी नहीं किया जा सकता है। इसका मतलब है कि जब विधायिका के पास किसी विशेष विषय पर सीधे कानून बनाने की शक्ति नहीं है, तो वह अप्रत्यक्ष रूप से उस पर कानून नहीं बना सकती है। यह सिद्धांत विभिन्न विधायिकाओं द्वारा अधिनियमित कानूनों की विधायी क्षमता निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक उपकरण है। इसलिए, यह शक्तियों के पृथक्करण को लागू करने और न्यायिक जवाबदेही लागू करने का एक साधन है। मूल रूप से, इस सिद्धांत का तात्पर्य यह है कि जो कुछ भी प्रत्यक्ष रूप से निषिद्ध है वह अप्रत्यक्ष रूप से भी निषिद्ध है। इसका उद्देश्य विधायिका को अप्रत्यक्ष या गुप्त रूप से कुछ भी करने से रोकना है जो उसे सीधे तौर पर करने से प्रतिबंधित किया गया है।

इसे भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार राज्य बनाम कामेश्वर सिंह मामले में लागू किया था और यह माना गया था कि बिहार भूमि सुधार अधिनियम अमान्य था।

**विकल्प d गलत है:** आकस्मिक या सहायक शक्तियों के सिद्धांत (Doctrine of Incidental or Ancillary Powers) का तात्पर्य है कि किसी विशेष मुद्दे पर कानून बनाने की शक्ति में उन सहायक मामलों पर कानून बनाने की शक्ति भी शामिल है जो उस मुद्दे या विषय से उचित रूप से जुड़े हुए हैं। उदाहरण के लिए, कर लगाने की शक्ति में कर चोरी को रोकने के लिए तलाशी और जब्ती की शक्ति भी शामिल होगी। फिर भी, यदि किसी विषय का संघ या राज्य सूची में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है, तो इसे सहायक मामला नहीं कहा जा सकता है।

Source: Doctrine of colourable legislation : an impediment to the legislative authority – iPleaders

**Q.9)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

मौलिक अधिकार संविधान के भाग III में अनुच्छेद 12 से 35 तक निहित हैं। संविधान के भाग III को भारत का मैग्ना कार्टा कहा जाता है। संविधान बिना किसी भेदभाव के सभी व्यक्तियों को मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है। मूल रूप से, भारत के संविधान में सात मौलिक अधिकार प्रदान किए गए:

समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)

स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)

शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)

testinpdf.com

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)
संस्कृति और शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 29-30)
संपत्ति अधिकार (अनुच्छेद 31)
संविधान के तहत सहारा का अधिकार (अनुच्छेद 32)(Right to Recourse under the Constitution (Article 32)){ संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)}
वर्तमान में, केवल छह मौलिक अधिकार हैं। 1978 के 44वें संशोधन अधिनियम ने संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया। संविधान के भाग XII के तहत अनुच्छेद 300-ए ने इसे कानूनी अधिकार बना दिया।
**कथन 1 गलत है|** भारतीय संविधान द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकार (एफआर) स्थायी या पवित्र(sacrosanct) नहीं हैं। संसद केवल संवैधानिक संशोधन अधिनियम के माध्यम से (और किसी सामान्य अधिनियम द्वारा नहीं) उन्हें कम या निरस्त कर सकती है। यह संविधान की 'बुनियादी संरचना' को प्रभावित किए बिना किया जा सकता है।
**कथन 2 सही है|** एफआर पूर्ण अधिकार के बजाय योग्य अधिकार हैं। वे राज्य से उचित प्रतिबंधों के अधीन हैं। अदालतें यह निर्धारित करती हैं कि ये प्रतिबंध उचित हैं या नहीं। परिणामस्वरूप, वे सामाजिक नियंत्रण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ-साथ व्यक्ति और समाज के अधिकारों के बीच संतुलन बनाते हैं।
**कथन 3 गलत है|** जब युद्ध या बाहरी आक्रमण (यानी, बाहरी आपातकाल) के आधार पर आपातकाल घोषित किया जाता है, तो अनुच्छेद 19 के तहत गारंटीकृत छह अधिकार स्वचालित रूप से निलंबित हो जाते हैं और सशस्त्र विद्रोह (यानी, आंतरिक आपातकाल) के आधार पर निलंबित नहीं होते हैं।
Source: M. Laxmikanth, Page-179

**Q.10)**
**Ans) a**
**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**
पावरिंग पास्ट कोल एलायंस (पीपीसीए) ने 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान 10 से अधिक नए सदस्यों को चुना। नए सदस्यों में अमेरिका और यूएई शामिल हैं। ओईसीडी और यूरोपीय संघ के 80 प्रतिशत से अधिक देश अब गठबंधन के लिए प्रतिबद्ध हैं।
**कथन 1 गलत है:** पावरिंग पास्ट कोल एलायंस (पीपीसीए) को 2017 में बॉन, जर्मनी में COP23 सम्मेलन के दौरान पेश किया गया था। यूनाइटेड किंगडम और कनाडा ने इस गठबंधन को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, नेताओं के सहयोग को उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं को एक राजनयिक पहल में बदलने के लिए व्यवस्थित किया, जिसका उद्देश्य कोयला बिजली से वैश्विक बदलाव को तेज करना था। प्रारंभ में, 27 राष्ट्रीय, प्रांतीय, राज्य और शहर सरकारें पीपीसीए घोषणा के लिए अपना समर्थन व्यक्त करते हुए शामिल हुईं।
**कथन 2 सही है:** पावरिंग पास्ट कोल एलायंस (पीपीसीए) राष्ट्रीय, उपराष्ट्रीय सरकारों और व्यावसायिक संगठनों का एक गठबंधन है जो निर्बाध कोयला बिजली उत्पादन से स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। इसलिए गठबंधन में निजी व्यावसायिक संगठन शामिल हैं जो स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
**कथन 3 गलत है:** भारत पावरिंग पास्ट कोल एलायंस (पीपीसीए) का सदस्य नहीं है। पीपीसीए की सदस्यता 182 राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय सरकारों, व्यवसायों और संगठनों तक फैली हुई है। सदस्य पीपीसीए घोषणा के उद्देश्यों के आधार पर कोयले से स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन को तेज करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
Source: https://www.thehindu.com/sci-tech/energy-and-environment/pledges-made-at-the-cop28-climate-talks/article67634805.ece
https://poweringpastcoal.org/our-story/#/the-alliance-launches

**Q.11)**
**Ans) b**
**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

**कथन1 गलत है|** भारत के संविधान का अनुच्छेद 24 कारखानों आदि में बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध लगाता है। अनुच्छेद 23 और 24 शोषण के खिलाफ अधिकार बनाते हैं और भारतीय संविधान द्वारा गारंटीकृत सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों का हिस्सा नहीं हैं। अतः, 1 गलत है।

अनुच्छेद 29 और अनुच्छेद 30 भारत के संविधान द्वारा गारंटीकृत सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों का गठन करते हैं:

अनुच्छेद 29: भारत के क्षेत्र या उसके किसी भाग में रहने वाले नागरिकों के किसी भी वर्ग को, जिसकी अपनी विशिष्ट भाषा, लिपि या संस्कृति है, उसे संरक्षित करने का अधिकार होगा। अतः, कथन 2 सही है।

अनुच्छेद 30: सभी अल्पसंख्यकों को, चाहे वे धर्म या भाषा पर आधारित हों, अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और संचालित करने का अधिकार होगा। अतः कथन 3 सही है।

Source: M. laxmikanth, Page-185

**Q.12)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

"एग्जिट-पोल" एक जनमत सर्वेक्षण है जो बताता है कि किसी चुनाव में मतदाताओं ने कैसे मतदान किया है या किसी चुनाव में किसी राजनीतिक दल या उम्मीदवार की पहचान के संबंध में सभी मतदाताओं ने कैसा प्रदर्शन किया है।

**कथन 1 गलत है:** जनमत सर्वेक्षण चुनाव-संबंधी कई मुद्दों पर मतदाताओं के विचार जानने के लिए एक चुनाव-पूर्व सर्वेक्षण है। हालाँकि, एक एग्ज़िट पोल, लोगों द्वारा मतदान करने के तुरंत बाद आयोजित किया जाता है, और राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों के समर्थन का आकलन करता है।

**कथन 2 गलत है:** लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126A में एग्जिट पोल से संबंधित एक प्रावधान है। इसमें कहा गया है कि "कोई भी व्यक्ति किसी भी एग्जिट पोल का संचालन नहीं करेगा और प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशित या प्रचारित नहीं करेगा या किसी अन्य तरीके से प्रसारित नहीं करेगा, ऐसी अवधि के दौरान इस संबंध में चुनाव आयोग द्वारा एग्जिट पोल के नतीजे अधिसूचित किए जा सकते हैं।

**कथन 3 सही है:** 2009 के प्रावधान के अनुसार, कोई भी व्यक्ति इस संबंध में चुनाव आयोग द्वारा अधिसूचित अवधि के दौरान किसी भी एग्जिट पोल का संचालन नहीं करेगा और प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशित या प्रचारित नहीं करेगा या किसी अन्य तरीके से प्रसारित नहीं करेगा।

चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि सभी वेबसाइटों सहित एजेंसियों द्वारा एग्जिट पोल का प्रसारण अंतिम चरण के मतदान के बाद ही किया जा सकता है। इसके अलावा, 2009 के एक प्रावधान के

अनुसार, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव के दौरान एग्जिट पोल आयोजित करना और एग्जिट पोल के नतीजे प्रकाशित करना प्रतिबंधित होगा।

इसके अलावा, जो कोई भी व्यक्ति इस प्रावधान का उल्लंघन करेगा, उसे दो साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जाएगा।

Source: Laxmikant 6th Edition.pdf

**Q.13)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है**

व्यक्ति की गरिमा का तात्पर्य उस अंतर्निहित कीमत, मूल्य और नैतिक प्रतिष्ठा से है जो प्रत्येक व्यक्ति के पास मानव होने के नाते है। यह विचार इस विश्वास पर आधारित है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी पृष्ठभूमि, विशेषताओं या परिस्थितियों के बावजूद, सम्मान, निष्पक्षता और विचार के साथ व्यवहार करने का हकदार है। भारतीय संविधान के उद्देश्यों में से एक के रूप में व्यक्ति की गरिमा की मान्यता संविधान के विभिन्न भागों में अंतर्निहित है।

**विकल्प 1 सही है|** प्रस्तावना मुख्य मूल्यों के रूप में न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर जोर देती है। "भाईचारा" शब्द व्यक्तियों के बीच भाईचारे और सम्मान की भावना का प्रतीक है।

testinpdf.com

**विकल्प 2 सही है|** 1976 में 42वें संशोधन द्वारा संविधान में जोड़े गए मौलिक कर्तव्यों में वे कर्तव्य शामिल हैं जिन्हें नागरिकों से राष्ट्र के प्रति पूरा करने की अपेक्षा की जाती है। हालाँकि वे विशिष्ट अधिकार प्रदान नहीं करते हैं, वे जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना की भावना में योगदान करते हैं, अप्रत्यक्ष रूप से व्यक्तियों की गरिमा को बढ़ावा देते हैं। उदाहरण के लिए, अनुच्छेद 51A (E) के तहत, प्रत्येक नागरिक को धर्म, भाषा या क्षेत्र जैसे मतभेदों के बावजूद, भारत के लोगों के बीच सद्भाव और समान भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में काम करना चाहिए। इसके अतिरिक्त, नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे उन प्रथाओं का त्याग करें जो महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक हैं।

**विकल्प 3 सही है|** मौलिक अधिकार राज्य द्वारा व्यक्तियों की गरिमा और स्वतंत्रता के उल्लंघन से रक्षा करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने दायरे में गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार, निजता का अधिकार, स्वास्थ्य का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार और सार्थक और गुणवत्तापूर्ण जीवन में योगदान देने वाले विभिन्न अन्य अधिकारों को शामिल करने के लिए अनुच्छेद 21 की व्यापक व्याख्या की है।

**विकल्प 4 सही है|** हालाँकि राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत (डीपीएसपी) राज्य के सामाजिक-आर्थिक उद्देश्यों पर अधिक केंद्रित हैं, लेकिन कुछ सिद्धांत अप्रत्यक्ष रूप से व्यक्तिगत गरिमा में योगदान करते हैं। उदाहरण के लिए, अनुच्छेद 38 एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था स्थापित करके लोगों के कल्याण की दिशा में काम करने के राज्य के कर्तव्य पर जोर देता है जो न केवल राजनीतिक न्याय के मामले में बल्कि सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में भी उचित हो। साथ ही, अनुच्छेद 39 इस बात पर जोर देता है कि राज्य अपनी नीति को न्याय हासिल करने और धन और उत्पादन के साधनों की एक तरफ जाने को रोकने की दिशा में निर्देशित करेगा। इसका उद्देश्य उन सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को बढ़ावा देना है जो व्यक्तियों को सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम बनाती हैं।

Source: Indian Polity: M Lakshmikanth, chapter 4, chapter 7, chapter 8, chapter 9

**Q.14)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है**

मौलिक कर्तव्य, नैतिक और नागरिक दायित्वों का एक समूह है जिन्हें भारतीय संविधान के भाग IV-A में उल्लिखित किया गया है। इन्हें 1976 में 42वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था और वर्तमान में, ग्यारह मौलिक कर्तव्य हैं। ये कर्तव्य भारत के सभी नागरिकों पर लागू होते हैं और इनका उद्देश्य अनुशासन, जिम्मेदारी और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना है। मौलिक कर्तव्य संविधान के अनुच्छेद 51A में सूचीबद्ध हैं।

**विकल्प a सही है|** धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या अनुभागीय विविधताओं से परे भारत के सभी लोगों के बीच सद्भाव और समान भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना, अनुच्छेद 51A(E) के तहत दिया गया एक मौलिक कर्तव्य है। यह मतभेदों के बावजूद लोगों के बीच एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने के नागरिकों के कर्तव्य पर जोर देता है।

**विकल्प b गलत है|** भारतीय संविधान में राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों (डीपीएसपी) का अनुच्छेद 42 राज्य को काम की उचित और मानवीय स्थिति सुनिश्चित करने और श्रमिकों को मातृत्व राहत प्रदान करने का निर्देश देता है। यह उचित कामकाजी परिस्थितियों को बढ़ावा देने और मातृत्व लाभ के लिए सहायता प्रदान करके श्रमिकों के कल्याण पर जोर देता है। यह लेख सामाजिक न्याय और श्रम में लगे लोगों की भलाई के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

**विकल्प c सही है|** वैज्ञानिक स्वभाव, मानवतावाद और जांच और सुधार की भावना विकसित करना अनुच्छेद 51A(AH) के तहत दिया गया एक मौलिक कर्तव्य है। यह वैज्ञानिक और तर्कसंगत दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है, मानवतावाद को बढ़ावा देता है और सवाल उठाने और सुधार करने की इच्छा रखता है।

**विकल्प d सही है|** सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना और हिंसा से दूर रहना अनुच्छेद 51A(I) के तहत दिया गया एक मौलिक कर्तव्य है। यह सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने और लक्ष्यों को प्राप्त करने के साधन के रूप में हिंसा को त्यागने के नागरिकों के कर्तव्य पर जोर देता है।

**ज्ञानधार:**

**मौलिक कर्तव्यों के अन्य प्रावधान:**

संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों और संस्थानों का सम्मान करना (अनुच्छेद 51A(A)): यह देश के सर्वोच्च कानून के रूप में संविधान के प्रति निष्ठा पर जोर देता है।
स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों को संजोना और उनका पालन करना (अनुच्छेद 51ए(बी)): नागरिकों को उन मूल्यों और सिद्धांतों को याद रखने और बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करता है जो भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के केंद्र में थे।
भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना (अनुच्छेद 51A(C)): देश की संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए नागरिकों के कर्तव्य पर जोर देता है।
देश की रक्षा करना और आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्रीय सेवा प्रदान करना (अनुच्छेद 51A(D)): नागरिकों को देश की रक्षा में योगदान देने और आवश्यकता पड़ने पर राष्ट्रीय सेवा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है।
देश की समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व देना और संरक्षित करना (अनुच्छेद 51ए(एफ)): नागरिकों को भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत की सराहना करने और उसकी रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास करना ताकि राष्ट्र लगातार प्रयास और उपलब्धि के उच्च स्तर तक बढ़ सके (अनुच्छेद 51ए(जे)): नागरिकों को अपने व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
अपने बच्चे या, जैसा भी मामला हो, छह से चौदह वर्ष की आयु के बीच के बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करना (अनुच्छेद 51A(K)): यह सुनिश्चित करने के लिए माता-पिता या अभिभावकों पर दायित्व डालता है कि बच्चे छह से चौदह वर्ष की आयु के बीच शिक्षा प्राप्त करें।
Source: Indian Polity: M Lakshmikanth, chapter 9

**Q.15)**
**Ans) b**
**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**
हाल ही में, इंडिया इंटरनेट गवर्नेंस फोरम (आईआईजीएफ) का तीसरा संस्करण 2023 में नई दिल्ली में "Moving Forward – Calibrating Bharat's Digital Agenda" विषय के तहत आयोजित हुआ। संयुक्त राष्ट्र इंटरनेट गवर्नेंस फोरम (यूएन आईजीएफ) के व्यापक संदर्भ में एक राष्ट्रीय मंच के रूप में, आईआईजीएफ वैश्विक मंच पर भारतीय दृष्टिकोण और अनुभवों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है।
**कथन 1 सही है**: संयुक्त राष्ट्र आईजीएफ सूचना सोसायटी (डब्लूएसआईएस) पर संयुक्त राष्ट्र विश्व शिखर सम्मेलन के एक महत्वपूर्ण परिणाम के रूप में उभरा, जिसने 18 जुलाई, 2006 को संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा फोरम की औपचारिक बैठक को अनिवार्य किया। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि आईजीएफ सचिवालय का संचालन संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग (यूएन डीईएसए) द्वारा किया जा रहा है।
**कथन 2 सही है**: यूनाइटेड नेशन इंटरनेट गवर्नेंस फोरम (यूएन आईजीएफ) एक बहु-हितधारक मंच है जो सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाता है, जो इंटरनेट से संबंधित सार्वजनिक नीति के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सभी को एक समान मानता है। आईजीएफ सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में नीति-निर्माण की शक्ति रखने वालों को सूचित और प्रेरित करता है।
**कथन 3 गलत है**: संयुक्त राष्ट्र इंटरनेट गवर्नेंस फोरम (यूएन आईजीएफ) राष्ट्रों को वित्तीय सहायता प्रदान नहीं करता है। बल्कि, आईजीएफ में नीति, आउटरीच, और समुदाय और क्षमता-निर्माण गतिविधियां शामिल हैं, जो डिजिटल अवसरों को अधिकतम करने और डिजिटल जोखिमों और चुनौतियों का समाधान करने की एक आम समझ को सुविधाजनक बनाने के लिए समर्पित हैं।
Source: https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1982217
https://www.intgovforum.org/en/about#about-us
https://intgovforum.org/en/filedepot_download/11138/2452

**Q.16)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है**

भारत के संविधान में संशोधन की प्रक्रिया अनुच्छेद 368 में निर्धारित है|

**कथन 1 गलत है|** संविधान में संशोधन की शुरुआत संसद के किसी भी सदन यानी लोकसभा या राज्यसभा में विधेयक पेश करके की जा सकती है। धन विधेयक केवल संसद के निचले सदन लोकसभा (लोकसभा) में पेश किया जा सकता है। इसे ऊपरी सदन राज्यसभा (राज्य परिषद) में पेश नहीं किया जा सकता है।

**कथन 2 गलत है|** संविधान संशोधन विधेयक में संयुक्त बैठक का प्रावधान नहीं है। संयुक्त बैठक का प्रावधान केवल सामान्य विधेयकों या वित्तीय विधेयकों पर लागू होता है, धन विधेयकों या संवैधानिक संशोधन विधेयकों पर नहीं। धन विधेयक के मामले में, लोकसभा के पास अधिभावी शक्तियाँ हैं, जबकि एक संवैधानिक संशोधन विधेयक को प्रत्येक सदन द्वारा अलग से पारित किया जाना चाहिए।

**कथन 3 गलत है|** संवैधानिक संशोधन विधेयक पर राष्ट्रपति के पास कोई वीटो शक्ति नहीं है। एक बार जब संसद संवैधानिक संशोधन विधेयक पारित कर देती है, तो इसे सहमति के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है। संवैधानिक संशोधन विधेयक के मामले में राष्ट्रपति के पास इसे वीटो करने की शक्ति नहीं है।

**ज्ञानधार:**

संशोधन की सरलीकृत प्रक्रिया:

संशोधन विधेयक का परिचय: संविधान में संशोधन केवल संसद के किसी भी सदन (लोकसभा या राज्यसभा) में विधेयक पेश करके शुरू किया जा सकता है।

विशेष बहुमत: संशोधन विधेयक को प्रत्येक सदन में विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए। विशेष बहुमत का तात्पर्य है: सदन की कुल सदस्यता का बहुमत, और उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई बहुमत।

राज्यों द्वारा अनुसमर्थन: कुछ मामलों में, यदि संशोधन संघीय विशेषताओं से संबंधित है (जैसे कि संसद में राज्यों के प्रतिनिधित्व से संबंधित परिवर्तन, राज्य की सीमाओं में परिवर्तन, या राज्यों की परिषद (राज्य सभा) में राज्यों के प्रतिनिधित्व में परिवर्तन) ), इसे कम से कम आधे राज्यों की विधानसभाओं द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति की सहमति: आवश्यक बहुमत के साथ दोनों सदनों द्वारा पारित होने के बाद, संशोधन विधेयक राष्ट्रपति की सहमति के लिए प्रस्तुत किया जाता है। राष्ट्रपति या तो अपनी सहमति दे सकता है या अपनी सहमति रोक सकता है। एक सामान्य विधेयक के विपरीत, राष्ट्रपति के पास संशोधन विधेयक को वापस करने की कोई शक्ति नहीं है, इसलिए उन्हें इसे स्वीकार या अस्वीकार करना होगा।

धन विधेयक नहीं माना जाता: एक संशोधन विधेयक को अनुच्छेद 110 के तहत "धन विधेयक" नहीं माना जाता है, जिसका अर्थ है कि इसके लिए राष्ट्रपति की सिफारिश की आवश्यकता नहीं है।

राष्ट्रपति के लिए कोई वीटो शक्ति नहीं: राष्ट्रपति के पास किसी संशोधन विधेयक पर कोई वीटो शक्ति नहीं है; उसे संसद की सलाह पर कार्य करना चाहिए।

Source: Indian Polity: M Lakshmikanth, chapter 10

**Q.17)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

**कथन a सही है|** शून्यकाल एक भारतीय संसदीय नवाचार है। इस वाक्यांश का उल्लेख सदन की प्रक्रिया के नियमों के साथ-साथ भारत के संविधान में भी नहीं मिलता है। शून्यकाल की अवधारणा मूल रूप से भारतीय संसद के पहले दशक में शुरू हुई, जब सदस्यों को महत्वपूर्ण निर्वाचन क्षेत्र और राष्ट्रीय मुद्दों को उठाने की आवश्यकता महसूस हुई।

**कथन b गलत है।** संसदीय नियम उन मामलों पर दिशानिर्देश प्रदान करते हैं जो संसद सदस्यों द्वारा पूछे जा सकते हैं। यह 150 शब्दों तक सीमित होना चाहिए। इसे भारत सरकार की जिम्मेदारी के क्षेत्र से भी जोड़ा जाना चाहिए। उन्हें उन मामलों के बारे में जानकारी नहीं मांगनी चाहिए जो गुप्त हैं या अदालतों के समक्ष विचाराधीन हैं। यह दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी हैं,



testinpdf.com

जो अंततः निर्णय लेते हैं कि किसी सांसद द्वारा उठाए गए मामले को सरकार द्वारा जवाब देने के लिए स्वीकार किया जाएगा या नहीं।

**कथन c गलत है।** तारांकित प्रश्न के लिए सदन में मौखिक उत्तर की आवश्यकता होती है। इसलिए, इस उदाहरण में पूरक प्रश्न आ सकते हैं, अतारांकित प्रश्नों के विपरीत जिनका उत्तर लिखित रूप में दिया जाता है।

**कथन d गलत है।** दोनों सदनों में प्रश्नकाल सत्र के सभी दिनों में आयोजित किया जाता है। लेकिन दो दिन ऐसे होते हैं जब अपवाद बनाया जाता है| उस दिन कोई प्रश्नकाल नहीं होता है, राष्ट्रपति सेंट्रल हॉल में दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित करते हैं। इसके अलावा, जिस दिन वित्त मंत्री बजट पेश करते हैं उस दिन प्रश्नकाल निर्धारित नहीं होता है।

Source: https://Indianexpress.com/article/explained/an-expert-explains-what-are--hour-zero-hour-parliament-session-6580747/

**Q.18)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है|**

भारत के संविधान का 44वां संशोधन 1978 में अधिनियमित किया गया था। 44वां संशोधन भारतीय संविधान के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बहाल करने में एक महत्वपूर्ण कदम था।

**विकल्प a सही है**: 44वें संशोधन ने अनुच्छेद 38 में एक नया खंड जोड़ा, जिसमें कहा गया है कि राज्य न केवल व्यक्तियों के बीच, बल्कि लोगों के समूहों के बीच भी आय, स्थिति, सुविधाओं और अवसरों में असमानताओं को कम करने का प्रयास करेगा। यह खंड भारत में सामाजिक और आर्थिक असमानता की समस्या के समाधान के लिए जोड़ा गया था। अनुच्छेद 38 संविधान के भाग IV का हिस्सा है, जिसमें राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत शामिल हैं।

**विकल्प b गलत है**: 42वें संशोधन ने "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्दों को शामिल करके प्रस्तावना में बदलाव किए। प्रस्तावना में "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्द जोड़ने का उद्देश्य उन मूल्यों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करना था।

**विकल्प c गलत है:** 1978 के 44वें संशोधन ने संपत्ति के अधिकार को भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया। संशोधन में अनुच्छेद 300-A भी जोड़ा गया, जिसमें कहा गया है कि "कानून के अधिकार" के अलावा किसी भी व्यक्ति को उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा"।

अनुच्छेद 300-A के अनुसार राज्य को किसी व्यक्ति को उसकी निजी संपत्ति से वंचित करने के लिए उचित प्रक्रिया और कानून के अधिकार का पालन करना होगा।

**विकल्प d गलत है**: 52वें संशोधन ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण को 1990 से 2000 तक और 10 वर्षों के लिए बढ़ा दिया। इन समुदायों को और अधिक प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए संशोधन पारित किया गया था, जो भारतीय समाज में ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रखा गया है और उनके साथ भेदभाव किया गया है।

Source: Laxmikanth - Indian Polity - 5th Edition - Chapter 8 " Directive Principles of State Policy " heading - "NEW DIRECTIVE PRINCIPLES"

**Q.19)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

पंचायत प्रावधान (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (पीईएसए) एक कानून है जो पंचायतों के प्रावधानों को पांचवीं अनुसूची क्षेत्रों तक विस्तारित करता है। पेसा के अंतर्गत कुल दस राज्य शामिल हैं। ये राज्य हैं: आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना।

**कथन 1 और 2 सही हैं**: पेसा अधिनियम के तहत ग्राम सभा/पीआरआई को निम्नलिखित कानूनी शक्तियाँ दी गई हैं:

testinpdf.com

i. लोगों की परंपराओं और रीति-रिवाजों, उनकी सांस्कृतिक पहचान, सामुदायिक संसाधनों और विवाद समाधान के पारंपरिक तरीके की सुरक्षा और संरक्षण करें|
ii. ऐसी योजनाओं, कार्यक्रमों और परियोजनाओं को ग्राम स्तर पर पंचायत द्वारा कार्यान्वयन के लिए शुरू करने से पहले सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए योजनाओं, कार्यक्रमों और परियोजनाओं को मंजूरी देना।
iii. गरीबी उन्मूलन और अन्य कार्यक्रमों के तहत लाभार्थियों के रूप में व्यक्तियों की पहचान या चयन।
iv. गरीबी उन्मूलन और अन्य कार्यक्रमों के तहत लाभार्थियों के रूप में व्यक्तियों की पहचान या चयन के लिए योजनाओं, कार्यक्रमों और परियोजनाओं के लिए पंचायत द्वारा धन के उपयोग का प्रमाणन।
v. विकास परियोजनाओं के लिए अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण करने से पहले और अनुसूचित क्षेत्रों में ऐसी परियोजनाओं से प्रभावित व्यक्तियों को फिर से बसाने या पुनर्वास करने से पहले परामर्श लेने का अधिकार।
vi. अनुसूचित क्षेत्रों में छोटे जल निकायों की योजना और प्रबंधन का अधिकार।
vii. लघु खनिजों के लिए पूर्वेक्षण लाइसेंस या खनन पट्टा देने से पहले और अनुसूचित क्षेत्रों में नीलामी द्वारा लघु खनिजों के दोहन के लिए रियायत देने की सिफारिशें।
viii. निषेध लागू करने या किसी भी नशीले पदार्थ की बिक्री और खपत को विनियमित या प्रतिबंधित करने की शक्ति।
ix. लघु वन उपज का स्वामित्व|
x. अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि के हस्तांतरण को रोकने और अनुसूचित जनजाति की किसी भी गैरकानूनी रूप से हस्तांतरित भूमि को बहाल करने की शक्ति।
xi. ग्रामीण बाजारों का प्रबंधन करने की शक्ति|
xii. अनुसूचित जनजातियों को धन उधार देने पर नियंत्रण रखने की शक्ति।
xiii. सभी सामाजिक क्षेत्रों में संस्थाओं और पदाधिकारियों पर नियंत्रण रखने की शक्ति।
xiv. जनजातीय उपयोजनाओं सहित ऐसी योजनाओं के लिए स्थानीय योजनाओं और संसाधनों पर नियंत्रण करने की शक्ति।
**कथन 3 गलत है:** पेसा अधिनियम ग्राम सभा को अनुसूचित जनजातियों (और अनुसूचित जातियों को नहीं) को धन उधार देने पर नियंत्रण रखने की शक्ति प्रदान करता है।

Source: Indian Polity by Laxmikant – 6th Edition – Chapter 38 - Panchayati Raj.
https://panchayat.gov.in/documents/20126/0/FAQ+-+PESA+-+12042019.pdf/5cfb9c63-9e55-8522-63fd-15e13407c26c?t=1555072755144

**Q.20)**
**Ans) d**
**Exp) विकल्प d सही उत्तर है|**
डायल वर्टिकल माइग्रेशन (डीवीएम) (जिसे दैनिक वर्टिकल माइग्रेशन के रूप में भी जाना जाता है) में समुद्र की सतह और गहरी परतों के बीच समुद्री जानवरों की दैनिक, समकालिक आवाजाही शामिल है। यह ग्रह का सबसे बड़ा पशु प्रवास है, जिसमें हर दिन सभी महासागरों में खरबों जानवर शामिल होते हैं।
**कथन-I गलत है**: डायल वर्टिकल माइग्रेशन (DVM) में महासागर से वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड ($CO_2$) की महत्वपूर्ण मात्रा शामिल नहीं है। वास्तव में, डीवीएम कार्बन युक्त कार्बनिक पदार्थों को सतह से गहरे समुद्र की परतों तक पहुंचाकर कार्बन पृथक्करण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जहां यह लंबे समय तक बंद रहता है।
**कथन-II सही है**: डीवीएम समुद्री जीवों की दैनिक ऊर्ध्वाधर गति है, आमतौर पर रात में गहरे पानी से सतह तक और दिन के दौरान फिर से नीचे की ओर। यह संचलन अक्सर विभिन्न उद्देश्यों को पूरा करता है, जैसे भोजन करना, शिकारियों से बचना और इष्टतम वातावरण की तलाश करना।
इस प्रकार का प्रवासन ग्रह पर सबसे बड़ा पशु प्रवासन है और हर महासागर में हर दिन खरबों जानवरों द्वारा किया जाता है। गहरे समुद्र के समुद्री जानवर, विशेष रूप से छोटे मुक्त-तैरते ज़ोप्लांकटन, इस प्रकार के प्रवास को प्रदर्शित करते हैं।

Source: https://www.thehindu.com/sci-tech/science/science-for-all-what-is-diel-vertical-migration-and-its-role-in-Carbon-sequestration/article67609159.ece

**Q.21)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है**

भारतीय संघ का निर्माण भारतीय संविधान द्वारा किया गया था, जिसे 1950 में अपनाया गया था। संविधान ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के साथ सरकार की एक संघीय प्रणाली की स्थापना की।

**कथन 1 गलत है**: भारतीय महासंघ, अमेरिकी महासंघ की तरह राज्यों के बीच किसी समझौते का परिणाम नहीं है। भारत महासंघ कनाडाई मॉडल का अनुसरण करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, संघीय सरकार बनने से पहले ही राज्य अस्तित्व में थे। राज्य स्वेच्छा से संघीय सरकार में शामिल होने के लिए सहमत हुए, और उन्होंने महत्वपूर्ण मात्रा में शक्ति बरकरार रखी। दूसरी ओर, भारत में राज्यों का निर्माण केंद्र सरकार द्वारा प्रभावी शासन के लिए किया गया था। राज्यों के पास संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्यों के समान शक्ति नहीं है।

**कथन 2 सही है**: भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ (1994) के मामले में कहा गया कि भारत का संविधान संघीय है और संघवाद संविधान की एक बुनियादी विशेषता है। न्यायालय ने यह भी माना कि राज्य केंद्र सरकार के अधीन नहीं हैं, बल्कि उनकी अपनी स्वतंत्र शक्तियाँ और कार्य हैं।

Source: Laxmikanth - Indian Polity - 5th Edition - Chapter 13 "Federal System" Heading - "CRITICAL EVALUATION OF THE FEDERAL SYSTEM"

**Q.22)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है**

भारतीय संविधान सरकार की शक्तियों को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच विभाजित करता है। यह विभाजन उन विषयों की सूची के माध्यम से किया जाता है जो प्रत्येक सरकार के अधिकार क्षेत्र में हैं। विषयों को तीन सूचियों में विभाजित किया गया है: संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची।

**विकल्प a सही है**: यदि राज्यसभा दो-तिहाई बहुमत (विशेष बहुमत) से यह प्रस्ताव पारित करती है कि संसद को राज्य सूची के किसी मामले पर कानून बनाना चाहिए, तो संसद ऐसा कर सकती है। जब राज्यसभा सहमति का प्रस्ताव पारित करती है, तो वह प्रभावी रूप से राज्य सूची के किसी मामले पर कानून बनाने के लिए संसद को अपनी सहमति दे रही है। यह एक महत्वपूर्ण शक्ति है, क्योंकि यह संसद को राज्य विधानसभाओं की शक्तियों का अतिक्रमण करने की अनुमति देती है।

**विकल्प b गलत है**: राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान, संसद किसी भी विषय पर कानून बना सकती है, जिसमें वे विषय भी शामिल हैं जो आम तौर पर राज्यों के अधिकार क्षेत्र में होते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत के संविधान का अनुच्छेद 250 संसद को किसी भी विषय पर कानून बनाने की शक्ति देता है। इस शक्ति का उद्देश्य संसद को देश की सुरक्षा के खतरों से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई करने की अनुमति देना है।

**विकल्प c गलत है:** जब दो या दो से अधिक राज्यों की विधानसभाएं प्रस्ताव पारित कर संसद से राज्य सूची के किसी मामले पर कानून बनाने का अनुरोध करती हैं, तो संसद राज्य के विषय पर कानून बना सकती है। जब ऐसा होता है, तो संसद इस विषय पर कानून बना सकती है, भले ही यह संघ सूची में सूचीबद्ध न हो। हालाँकि, कानून को संसद के प्रत्येक सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत द्वारा पारित किया जाना चाहिए। इसे भारत के राष्ट्रपति द्वारा भी अनुमोदित किया जाना चाहिए।

**विकल्प d गलत है:** संविधान यह भी प्रावधान करता है कि यदि किसी अंतरराष्ट्रीय संधि, समझौते या सम्मेलन को लागू करने के लिए यह आवश्यक हो तो संसद राज्य सूची के किसी विषय पर कानून बना सकती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि संघीय व्यवस्था में राज्य अपने आंतरिक मामलों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जबकि केंद्र सरकार अन्य देशों से निपटने के लिए जिम्मेदार होती है। इसलिए, केंद्र सरकार के पास अंतरराष्ट्रीय संबंधों से संबंधित विषयों पर कानून बनाने की शक्ति होनी चाहिए, भले ही वे विषय सामान्य रूप से राज्यों के अधिकार क्षेत्र में हों।

Source: Laxmikanth - Indian Polity - 5th Edition - Chapter 14 - "Centre–State Relations" Heading - "3. Parliamentary Legislation in the State Field"



testinpdf.com

**Q.23)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

न्यायालय अवमानना अधिनियम, 1971 के अनुसार, न्यायालय की अवमानना या तो सिविल अवमानना या आपराधिक अवमानना हो सकती है। अदालत की अवमानना के लिए छह महीने तक की साधारण कैद या दो हजार रुपये तक का जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है।

**कथन 1 गलत है**: जब कोई निजी नागरिक किसी व्यक्ति के खिलाफ अदालत की अवमानना का मामला शुरू करना चाहता है, तो अटॉर्नी जनरल की सहमति अनिवार्य है। लेकिन जब सर्वोच्च न्यायालय स्वयं अदालत की अवमानना का मामला शुरू करता है; तो अटॉर्नी जनरल की सहमति की आवश्यकता नहीं है| ऐसा इसलिए है क्योंकि अदालत अवमानना के लिए दंडित करने के लिए संविधान के तहत अपनी अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग कर रही है और ऐसी संवैधानिक शक्तियों को प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है क्योंकि एजी ने सहमति देने से इनकार कर दिया है।

**कथन 2 गलत है:** न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 के अनुसार, अदालत की अवमानना या तो नागरिक अवमानना या आपराधिक अवमानना हो सकती है। किसी न्यायालय के रिट या आदेश की जानबूझकर अवज्ञा करना नागरिक अवमानना माना जाता है। सिविल अवमानना का अर्थ है अदालत के किसी निर्णय, डिक्री, निर्देश, आदेश, रिट या अन्य प्रक्रिया की जानबूझकर अवज्ञा करना या अदालत को दिए गए वचन का जानबूझकर उल्लंघन करना।

**कथन 3 सही है:** 'अदालत की अवमानना' अभिव्यक्ति को संविधान द्वारा परिभाषित नहीं किया गया है। हालाँकि, इस अभिव्यक्ति का उल्लेख न्यायालय अवमानना अधिनियम 1971 में किया गया है। अधिनियम के अनुसार, अवमानना का तात्पर्य न्यायालय की गरिमा या अधिकार के प्रति अनादर दिखाने के अपराध से है।

Source: Laxmikant

**Q.24)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

कथन I और II दोनों सही हैं, और कथन II कथन I का सही व्याख्या है।

वित्तीय मामलों में राज्यों के हितों की रक्षा के लिए संविधान में प्रावधान है कि कुछ विधेयक केवल राष्ट्रपति की सिफारिश पर ही संसद में पेश किये जा सकते हैं। संसद में पेश किए जाने के लिए राष्ट्रपति की सिफारिश के लिए आरक्षित कुछ विधेयक हैं:

एक विधेयक जो किसी भी कर या शुल्क को लगाता है या बदलता है जिसमें राज्यों की रुचि होती है;

एक विधेयक जो भारतीय आयकर से संबंधित अधिनियमों के प्रयोजनों के लिए परिभाषित 'कृषि आय' अभिव्यक्ति के अर्थ को बदलता है।

एक विधेयक जो उन सिद्धांतों को प्रभावित करता है, जिनके आधार पर राज्यों को धन वितरित किया जा सकता है;

एक विधेयक जो केंद्र के प्रयोजन के लिए किसी निर्दिष्ट कर या शुल्क पर कोई अधिभार लगाता है।

Source: Indian Polity- M. Laxmikant- Chapter 14-Centre-State Relations

**Q.25)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) में हाल ही में पार्टियों के 28वें सम्मेलन (सीओपी28) में, देशों ने ग्लोबल स्टॉकटेक (जीएसटी) के ढांचे के भीतर नुकसान और क्षति घटक पर विचार-विमर्श किया। G77 और चीन समूह ने नुकसान और क्षति पर ध्यान केंद्रित करने वाली राष्ट्रीय सूची की आवश्यकता पर जोर दिया।

testinpdf.com

इसके अतिरिक्त, उन्होंने हानि और क्षति को संबोधित करने में प्रगति का आकलन करने के लिए मानकीकृत मेट्रिक्स की वकालत की, साथ ही हानि और क्षति निधि और सैंटियागो नेटवर्क के बीच संबंध स्थापित करने के लिए और अधिक मजबूत भाषा की वकालत की।

**विकल्प a सही है**: सैंटियागो नेटवर्क की स्थापना यूएनएफसीसीसी के तहत वारसॉ इंटरनेशनल मैकेनिज्म फॉर लॉस एंड डैमेज (डब्ल्यूआईएम) के हिस्से के रूप में मैड्रिड में सीओपी 25 में की गई थी। 'सैंटियागो नेटवर्क' की कल्पना जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप होने वाले नुकसान और क्षति की रोकथाम, शमन और प्रबंधन के लिए विकासशील देशों को तकनीकी विशेषज्ञता और संसाधन प्रदान करने के लिए एक तंत्र के रूप में की गई है। आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र और परियोजना सेवाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय द्वारा आयोजित, नेटवर्क का मसौदा पाठ वर्तमान में भाग लेने वाले दलों द्वारा अपनाने के लिए खुला है।

Source: https://www.downtoearth.org.in/news/climate-change/cop28-diary-december-3-countries-agree-on-host-for-the-santiago-network-divergences-on-gst- 93160

https://www.losanddamagecollaboration.org/santiago-network-project

**Q.26)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

संविधान का अनुच्छेद 312 संसद को राज्यसभा के प्रस्ताव के आधार पर नई अखिल भारतीय सेवाएँ बनाने का अधिकार देता है। इनमें से प्रत्येक अखिल भारतीय सेवा, अलग-अलग राज्यों में अपने विभाजन के बावजूद, पूरे देश में समान अधिकारों और स्थिति और समान वेतनमान के साथ एक ही सेवा(single service) बनाती है।

**विकल्प a गलत है**: अखिल भारतीय सेवाओं का निर्माण राज्यसभा का विशेष विशेषाधिकार है, लोकसभा का नहीं।

**विकल्प b सही है**: यदि राज्यसभा यह घोषणा करते हुए एक प्रस्ताव पारित करती है कि ऐसा करना राष्ट्रीय हित में आवश्यक या समीचीन है, तो संसद नई अखिल भारतीय सेवाएं (अखिल भारतीय न्यायिक सेवा सहित) बना सकती है। राज्यसभा में इस तरह के प्रस्ताव को उपस्थित और मतदान करने वाले दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन होना चाहिए। भारतीय संघीय व्यवस्था में राज्यों के हितों की रक्षा के लिए सिफारिश की यह शक्ति राज्यसभा को दी गई है।

**विकल्प c गलत है:** राज्यसभा एक प्रस्ताव को उपस्थित और मतदान करने वाले दो-तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित पारित करती है, न कि साधारण बहुमत से।

**विकल्प d गलत है**: अखिल भारतीय सेवाओं का निर्माण राज्यसभा का विशेष विशेषाधिकार है, लोकसभा का नहीं।

Source: Indian Polity-M.Laxmikant- Chapter 14- Centre-State relations

**Q.27)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

**कथन 1 सही है**: संविधान स्पष्ट रूप से राज्य सूची और समवर्ती सूची पर संघ सूची की प्रधानता और राज्य सूची पर समवर्ती सूची की प्रधानता सुनिश्चित करता है। इस प्रकार, संघ सूची और राज्य सूची के बीच अतिव्यापन के मामले में, संघ सूची को प्रबल होना चाहिए। संघ सूची और समवर्ती सूची के बीच ओवरलैपिंग के मामले में, फिर से पूर्व को ही प्रबल होना चाहिए। जहां समवर्ती सूची और राज्य सूची के बीच विरोधाभास है, वहां पूर्व को ही प्रबल होना चाहिए।

**कथन 2 गलत है**: भारत में, अवशिष्ट विषयों (अर्थात, वे मामले जो तीन सूचियों में से किसी में भी शामिल नहीं हैं) के संबंध में कानून बनाने की शक्ति संसद में निहित है। कानून की इस अवशिष्ट शक्ति में अवशिष्ट कर लगाने की शक्ति भी शामिल है।

**कथन 3 गलत है**: मूल रूप से, समवर्ती सूची में 47 विषय थे जो 1976 के 42वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा बढ़कर 52 हो गए (इससे विषयों की संख्या में वृद्धि हुई)।

Source: Indian Polity by M. Laxmikant

**Q.28)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

भारतीय संघीय प्रणाली का सफल कामकाज न केवल केंद्र और राज्यों के बीच बल्कि राज्यों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों और घनिष्ठ सहयोग पर भी निर्भर करता है।

**कथन 1 सही है**: संविधान का अनुच्छेद 262 अंतरराज्यीय जल विवादों के न्यायनिर्णयन का प्रावधान करता है।

**कथन 2 सही है**: संविधान का अनुच्छेद 262 अंतरराज्यीय जल विवादों के न्यायनिर्णयन का प्रावधान करता है। यह दो प्रावधान करता है:

(A) संसद कानून द्वारा किसी भी अंतरराज्यीय नदी और नदी घाटी के पानी के उपयोग, वितरण और नियंत्रण के संबंध में किसी भी विवाद या शिकायत के निर्णय के लिए प्रावधान कर सकती है।

(B) संसद यह भी प्रावधान कर सकती है कि न तो सर्वोच्च न्यायालय और न ही कोई अन्य अदालत ऐसे किसी भी विवाद या शिकायत के संबंध में क्षेत्राधिकार का प्रयोग करेगी।

Source: Indian Polity- M-Laxmikant- Chapter 15-Inter-State Relations

**Q.29)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

अंतर-राज्य परिषद एक अनुशंसात्मक निकाय है, जिसे संघ और राज्य(राज्यों), या राज्यों के बीच सामान्य हित के विषयों की जांच और चर्चा करने का अधिकार दिया गया है। इसकी स्थापना भारत के संविधान के अनुच्छेद 263 के तहत की गई थी।

क्षेत्रीय परिषदें, भारतीय राज्यों से बनी सलाहकार परिषदें हैं जिन्हें उनके बीच सहयोग बढ़ाने के लिए पांच क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के भाग III ने इन्हें स्थापित किया।

**कथन 1 सही है|** अंतरराज्यीय परिषद एक संवैधानिक संस्था है। इसकी स्थापना भारत के संविधान के अनुच्छेद 263 के तहत की गई थी। भारत के राष्ट्रपति राज्यों के बीच विवादों की जांच करने और उन पर सलाह देने, उन विषयों की जांच और चर्चा करने के लिए ऐसी परिषद की स्थापना कर सकते हैं जिनमें कुछ या सभी राज्यों, या संघ और एक या अधिक राज्यों का साझा हित हो।

दूसरी ओर, क्षेत्रीय परिषदें वैधानिक निकाय हैं। इनकी स्थापना राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के तहत की गई थी। यह अधिनियम राज्यों के बीच अंतरराज्यीय सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने के लिए पांच क्षेत्रीय परिषदों के निर्माण का प्रावधान करता है।

**कथन 2 गलत है|** अंतर-राज्य परिषद की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं। इसकी स्थापना 1990 में राष्ट्रपति के आदेश से हुई थी। परिषद को प्रति वर्ष कम से कम तीन बार बुलाना चाहिए।

क्षेत्रीय परिषदों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नहीं करते हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद की अध्यक्षता केंद्रीय गृह मंत्री करते हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद में क्षेत्र के राज्यों के मुख्यमंत्री और दो केंद्रीय मंत्री शामिल होते हैं, प्रत्येक क्षेत्र से एक।

ज्ञानधार:

पूर्वोत्तर राज्य किसी भी क्षेत्रीय परिषद के अंतर्गत नहीं आते हैं, और उनकी अनूठी चुनौतियों को एक अन्य वैधानिक संगठन, उत्तर पूर्वी परिषद द्वारा संबोधित किया जाता है, जिसे 1971 के उत्तर पूर्वी परिषद अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया था।

Source: M Lakshmikanth Ch-15 Inter-State Relations

**Q.30)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

10 दिसंबर, 2023 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक की 75वीं वर्षगांठ है, जिसे मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूडीएचआर) के रूप में जाना जाता है।



testimpdf.com

**कथन I और II सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है**: मानवाधिकारों के मूल्य को बढ़ावा देने के लिए हर साल 10 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है। यह विशिष्ट तिथि 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूडीएचआर) को अपनाने और उद्घोषणा की याद दिलाती है।

यूडीएचआर, मानव अधिकारों की प्रारंभिक वैश्विक घोषणा के रूप में है और नव स्थापित संयुक्त राष्ट्र की प्रारंभिक महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है।

मानवाधिकार दिवस 2023 का विषय है "समानता, असमानताओं को कम करना, मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना। यह विषय यूडीएचआर के अनुच्छेद 1 के साथ निकटता से जुड़ता है, जिसमें कहा गया है कि "सभी मनुष्य स्वतंत्र रूप से पैदा हुए हैं और गरिमा और अधिकारों में समान हैं।" समानता पर जोर और असमानताओं को कम करना यूडीएचआर के महत्वपूर्ण सिद्धांतों को दर्शाता है, जिससे यह इस वर्ष के पालन के लिए एक सार्थक फोकस बन गया है।

10 दिसंबर 1948 को, संयुक्त राष्ट्र के अधिकांश तत्कालीन सदस्यों द्वारा मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा (यूडीएचआर) को अपनाया गया था। 1945 में संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता 51 थी (वर्तमान में 193 सदस्य हैं)। इन 51 सदस्यों में से 48 सदस्यों (भारत सहित) ने यूडीएचआर को अपनाया।

Source: https://Indianexpress.com/article/explained/explained-global/universal-declaration-of- human-rights-marking-75th-anniversary-9061964/

**Q.31)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

आपातकाल के लिए संवैधानिक प्रावधान भाग XVIII में उल्लिखित हैं, जो अनुच्छेद 352 से 360 तक विस्तृत हैं। ये केंद्र सरकार को असामान्य स्थितियों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने का अधिकार देते हैं। अनुच्छेद 352 युद्ध, सशस्त्र विद्रोह या बाहरी आक्रमण की स्थिति में राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा को निर्दिष्ट करता है। बाहरी आपातकाल बाहरी आक्रमण से उत्पन्न होता है, जबकि आंतरिक आपातकाल सशस्त्र विद्रोह से उत्पन्न होता है।

**कथन 1 सही है:** राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान, लोकसभा के सामान्य पांच साल के कार्यकाल को संसदीय कानून के माध्यम से एक बार में एक वर्ष और किसी भी अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है। फिर भी, यह विस्तार आपातकाल की समाप्ति के बाद छह महीने से अधिक समय तक जारी नहीं रह सकता है। उदाहरण के लिए, पांचवीं लोकसभा (1971-1977) का कार्यकाल दो बार बढ़ाया गया, हर बार एक वर्ष के लिए।

**कथन 2 गलत है :** राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान भी संविधान के अनुच्छेद 359 के अनुसार, आपराधिक अभियोजन से सुरक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 20) और जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 21) लागू रहते हैं। अनुच्छेद 359 का दायरा 1978 के 44वें संशोधन अधिनियम द्वारा सीमित कर दिया गया था। अनुच्छेद 20 से 21 द्वारा संरक्षित मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए न्यायालय में अपील करने का अधिकार राष्ट्रपति द्वारा निलंबित नहीं किया जा सकता है। जब राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा जारी की जाती है, तो अनुच्छेद 358 के अनुसार, अनुच्छेद 19 में निहित छह मौलिक अधिकार स्वतः ही निलंबित हो जाते हैं।

**विकल्प 3 सही है :** जब राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति घोषित की जाती है, तो राष्ट्रपति के पास केंद्र और राज्यों के बीच संवैधानिक राजस्व वितरण को बदलने का अधिकार होता है। इससे पता चलता है कि राष्ट्रपति के पास केंद्र से राज्यों को धन हस्तांतरण को कम करने या रद्द करने का अधिकार है।

Source: Laxmikant Ch-16 Emergency Provisions

**Q.32)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

testimpdf.com

भारत के राष्ट्रपति के पास प्रधान मंत्री, मंत्रिपरिषद और प्रमुख अधिकारियों को नियुक्त करने, क्षमादान देने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने की कार्यकारी शक्तियाँ हैं। हालाँकि, इन शक्तियों का प्रयोग प्रधान मंत्री और मंत्रिपरिषद की सलाह पर किया जाता है।

**विकल्प 1 ग़लत है :** प्रधान मंत्री उन व्यक्तियों की सिफारिश करता है जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा मंत्री के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। राष्ट्रपति केवल उन्हीं व्यक्तियों को मंत्री नियुक्त कर सकता है जिनकी सिफारिश प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है।

**विकल्प 2 ग़लत है :** प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करता है और उसके निर्णयों को प्रभावित करता है। वह सभी मंत्रियों की गतिविधियों का मार्गदर्शन, निर्देशन, नियंत्रण और समन्वय करता है

विकल्प 3 ग़लत है. राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करता है। हालाँकि, उन्हें केवल राष्ट्रपति द्वारा ही हटाया जा सकता है, राज्यपाल द्वारा नहीं

**विकल्प 4 सही है :** दिल्ली के मुख्यमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा मुख्यमंत्री की सलाह पर की जाती है।

Source: Laxmikant Ch-17, President

**Q.33)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

संसद द्वारा अधिनियमित कोई विधेयक केवल तभी अधिनियम बन सकता है जब उसे राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हो। राष्ट्रपति के पास संसद द्वारा अधिनियमित उपायों पर वीटो शक्ति है, जिसका अर्थ है कि वह उन्हें मंजूरी देने से इनकार कर सकता है। राष्ट्रपति को यह शक्ति प्रदान करने का उद्देश्य दो गुना है: (a) संसद द्वारा जल्दबाजी और गैर-विचारणीय कानून को रोकना; और (b) ऐसे कानून को रोकने के लिए जो गैरकानूनी हो सकता है।

**कथन 1 गलत है :** पूर्ण वीटो (अनुच्छेद 111) के मामले में, राष्ट्रपति किसी विधेयक पर अपनी सहमति रोक सकते हैं। यह बिल की पूर्ण अस्वीकृति है. 1954 में राष्ट्रपति के रूप में डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा और फिर 1991 में राष्ट्रपति के रूप में आर वेंकटरामन द्वारा इसका उपयोग किया गया था। 1954 में, PEPSU विनियोग विधेयक के खिलाफ पूर्ण वीटो का प्रयोग किया गया था। 1991 में इसका उपयोग संसद सदस्यों के वेतन, संशोधन और पेंशन (संशोधन) विधेयक में किया गया था।

**कथन 2 सही है :** निलंबित वीटो (अनुच्छेद 74) के मामले में, राष्ट्रपति गैर-धन विधेयक को पुनर्विचार के लिए संसद को लौटा सकता है। राष्ट्रपति संशोधन का सुझाव दे सकते हैं लेकिन यदि संसद विधेयक को दोबारा पारित करती है तो उन्हें अंततः सहमति देनी होगी। यह वीटो गैर-धन विधेयकों पर लागू होता है, और राष्ट्रपति उनके अंतिम अधिनियमन को नहीं रोक सकते। यह निलम्बनात्मक वीटो शक्ति धन विधेयक के लिए मान्य नहीं है।

**कथन 3 ग़लत है :** पॉकेट वीटो (कोई विशिष्ट संवैधानिक प्रावधान नहीं) के मामले में, राष्ट्रपति न तो सहमति देते हैं और न ही इसे स्पष्ट रूप से रोकते हैं। राष्ट्रपति विधेयक पर कोई कार्रवाई नहीं करते, जिससे इसके अधिनियमन में देरी होती है। जबकि संविधान स्पष्ट रूप से पॉकेट वीटो का उल्लेख नहीं करता है, यह व्यावहारिक स्थितियों में हो सकता है जब राष्ट्रपति किसी विधेयक पर न तो हस्ताक्षर करते हैं और न ही स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं, जिससे यह समाप्त हो जाता है। भारतीय राष्ट्रपति पहले भी अपनी वीटो शक्ति का प्रयोग कर चुके हैं। राष्ट्रपति ज़ैल सिंह ने 1986 में अपने पॉकेट वीटो का इस्तेमाल किया।

Source: Laxmikant Ch-17, President

**Q.34)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

**कथन 1 सही है और कथन 2 गलत है**: उपराष्ट्रपति के रूप में चुनाव के लिए पात्र होने के लिए, किसी व्यक्ति को निम्नलिखित योग्यताएं पूरी करनी चाहिए:

1. वह भारत का नागरिक होना चाहिए।
2. उसकी आयु 35 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो।

testinpdf.com

3. वह राज्य सभा के सदस्य के चुनाव के लिए योग्य होना चाहिए। (लोकसभा नहीं)
4. उसे केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकरण या किसी अन्य सार्वजनिक प्राधिकरण के तहत कोई लाभ का पद नहीं रखना चाहिए।

**कथन 3 गलत है**: उपराष्ट्रपति का चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति को केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकरण या किसी अन्य सार्वजनिक प्राधिकरण के तहत कोई लाभ का पद नहीं रखना चाहिए। लेकिन, संघ के मौजूदा राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति, किसी राज्य के राज्यपाल और संघ या किसी राज्य के मंत्री को लाभ का कोई पद धारण करने वाला नहीं माना जाता है और इसलिए वे उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनने के लिए योग्य हैं।

Source: Indian polity by M. Laxmikanth 6th edition chapter- vice president

**Q.35)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

बड़े पैमाने पर वनों का विनाश हमेशा से पर्यावरण के लिए चिंता का विषय रहा है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के साथ, हाल के वर्षों में वनों की कटाई वैश्विक स्तर पर एक गंभीर रूप से संवेदनशील मुद्दा बन गया है। वन प्रमाणीकरण की प्रक्रिया वन आधारित उत्पादों को प्रमाणित करके वनों की अंधाधुंध कटाई को कम करने की आशा प्रदान करती है।

**कथन 1 गलत है**: पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन योजना शुरू की है। यह राष्ट्रीय वन प्रमाणन योजना देश में स्थायी वन प्रबंधन और कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए स्वैच्छिक तृतीय-पक्ष प्रमाणीकरण प्रदान करती है। इस योजना में वन प्रबंधन प्रमाणीकरण, वन प्रबंधन प्रमाणन के बाहर पेड़ और हिरासत प्रमाणीकरण की श्रृंखला शामिल है।

**कथन 2 गलत है**: भारतीय वन एवं लकड़ी प्रमाणन योजना भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा तैयार नहीं की गई थी। वन प्रबंधन प्रमाणन भारतीय वन प्रबंधन मानक पर आधारित है, जिसे 8 मानदंडों, 69 संकेतकों और 254 सत्यापनकर्ताओं के साथ राष्ट्रीय कार्य योजना कोड 2023 में शामिल किया गया है। यह मानक नेटवर्क फॉर सर्टिफिकेशन एंड कंजर्वेशन ऑफ फॉरेस्ट्स (एनसीसीएफ) द्वारा विकसित किया गया है।

**कथन 3 सही है**: भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन योजना की देखरेख भारतीय वन और लकड़ी प्रमाणन परिषद द्वारा की जाएगी, जो एक बहु हितधारक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करेगी।

परिषद का प्रतिनिधित्व भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद, भारतीय वन सर्वेक्षण, भारतीय गुणवत्ता परिषद, भारतीय वन प्रबंधन संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सदस्यों द्वारा किया जाता है, जिसमें कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और वाणिज्य मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल हैं। उद्योग, राज्य वन विभाग, वन विकास निगम और लकड़ी आधारित उद्योगों के प्रतिनिधि।

Source: https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1985119
https://indianexpress.com/article/india/centre-launches-forest-certification-scheme-to-counter-foreign-agencies-9073713/

**Q.36)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

**विकल्प 1 सही है**: भारत के प्रधान मंत्री नीति आयोग (नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। गवर्निंग काउंसिल में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल शामिल हैं

**विकल्प 2 गलत है**: प्रधान मंत्री आमतौर पर समिति की अध्यक्षता करते हैं, लेकिन कुछ मामलों में, गृह मंत्री या वित्त मंत्री जैसे अन्य कैबिनेट मंत्री यह भूमिका निभा सकते हैं। हालाँकि, यदि प्रधान मंत्री समिति का सदस्य है, तो वह समिति का प्रमुख होगा। वर्तमान में, आवास संबंधी मंत्रिमंडलीय **समिति** और संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति को छोड़कर सभी समितियों का नेतृत्व आमतौर पर प्रधान मंत्री करते हैं। आवास संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति की अध्यक्षता गृह मंत्री करते हैं।



testinpdf.com

**विकल्प 3 गलत है**: रक्षा अधिग्रहण परिषद तीनों सेवाओं (सेना, नौसेना और वायु सेना) और भारतीय तटरक्षक बल के लिए नई नीतियों और पूंजी अधिग्रहण पर निर्णय लेने के लिए रक्षा मंत्रालय में सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है। रक्षा मंत्री परिषद के अध्यक्ष हैं।

**विकल्प 4 सही है**: भारत के एनआईसी ("राष्ट्रीय एकता परिषद") का गठन वर्ष 1961 में भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा आयोजित बैठक के बाद किया गया था। राष्ट्रीय एकीकरण परिषद का अध्यक्ष भारत का प्रधान मंत्री होता है और केंद्र सरकार एक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करती है।

**विकल्प 5 गलत है**: भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद एक त्रिस्तरीय संगठन है जो रणनीतिक चिंता के राजनीतिक, आर्थिक, ऊर्जा और सुरक्षा मुद्दों की देखरेख करती है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) एनएससी की अध्यक्षता करते हैं और प्रधान मंत्री के प्राथमिक सलाहकार भी होते हैं। वर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल हैं।

Source: https://pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=114273

https://pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=1842780

https://www.mha.gov.in/en/page/zonal-council#:~:text=Chairman%20%2D%20The%20Union%20Home%20Minister,one%20year%20at%20a%20time.

https://static.mygov.in/indiancc/2022/11/mygov-10000000001076141652.pdf

Indian polity by M. Laxmikanth 6th edition chapter- Prime Minister

**Q.37)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R) कथन (A) का सही व्याख्या है।

सरकार की संसदीय प्रणाली के कामकाज में अंतर्निहित मूल सिद्धांत सामूहिक जिम्मेदारी का सिद्धांत है। अनुच्छेद 75 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है। इसका मतलब यह है कि सभी मंत्रियों की अपनी सभी भूल-चूक के लिए लोकसभा के प्रति संयुक्त जिम्मेदारी होती है। वे एक टीम के रूप में काम करते हैं और एक साथ तैरते या डूबते हैं। जब लोकसभा मंत्रिपरिषद के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित करती है, तो सभी मंत्रियों को इस्तीफा देना होगा, जिसमें राज्यसभा के मंत्री भी शामिल हैं।

Source: Indian polity by M. Laxmikanth 6th edition chapter- council of ministers

**Q.38)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**

**कथन 1 सही है**: संविधान में अनुच्छेद 74 में कहा गया है कि राष्ट्रपति की सहायता और सलाह देने के लिए प्रधान मंत्री के नेतृत्व में एक मंत्रिपरिषद होगी जो अपने कार्यों के अभ्यास में ऐसी सलाह के अनुसार कार्य करेगी। मंत्रियों द्वारा राष्ट्रपति को दी गई सलाह की किसी भी अदालत में जांच नहीं की जाएगी।

**कथन 2 सही है**: भारत में, किसी मंत्री की कानूनी जिम्मेदारी की प्रणाली के लिए संविधान में कोई प्रावधान नहीं है। यह आवश्यक नहीं है कि किसी सार्वजनिक कार्य के लिए राष्ट्रपति के आदेश पर किसी मंत्री द्वारा प्रतिहस्ताक्षर किया जाए। दूसरी ओर, ब्रिटेन में, किसी भी सार्वजनिक कार्य के लिए राजा के प्रत्येक आदेश पर एक मंत्री द्वारा प्रतिहस्ताक्षर किए जाते हैं। यदि आदेश किसी कानून का उल्लंघन है, तो मंत्री जिम्मेदार होंगे और अदालत में उत्तरदायी होंगे।

**कथन 3 सही है**: राष्ट्रपति किसी मंत्री को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएगा। मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होगी। मंत्री राष्ट्रपति की इच्छा तक पद पर बने रहेंगे।

**कथन 4 सही है**: मंत्रिपरिषद में प्रधान मंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या लोकसभा की कुल संख्या के 15% से अधिक नहीं होगी। यह प्रावधान 2003 के 91वें संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया था।

Source: Indian polity by M. Laxmikanth 6th edition chapter- council of ministers

**Q.39)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**

संसदीय विशेषाधिकार का तात्पर्य एक संस्था के रूप में संसद और सांसदों को उनकी व्यक्तिगत क्षमता में प्राप्त अधिकारों और उन्मुक्तियों से है, जिसके बिना वे संविधान द्वारा सौंपे गए अपने कार्यों का निर्वहन नहीं कर सकते हैं।

**कथन 1 ग़लत है**: संविधान (अनुच्छेद 105) में स्पष्ट रूप से दो विशेषाधिकारों का उल्लेख किया गया है, अर्थात्, संसद में बोलने की स्वतंत्रता और इसकी कार्यवाही के प्रकाशन का अधिकार। इसलिए संसदीय विशेषाधिकारों का उल्लेख तो संविधान में है, लेकिन उन्हें संविधान में परिभाषित नहीं किया गया है।

**कथन 2 गलत है**: यहां यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि संसद ने अब तक सभी विशेषाधिकारों को विस्तृत रूप से संहिताबद्ध करने के लिए कोई विशेष कानून नहीं बनाया है।

वे पाँच स्रोतों पर आधारित हैं, अर्थात्,

1. संवैधानिक प्रावधान,
2. संसद द्वारा बनाये गये विभिन्न कानून,
3. दोनों सदनों के नियम,
4. संसदीय सम्मेलन, और
5. न्यायिक व्याख्याएँ।

**कथन 3 गलत है**: संविधान ने संसदीय विशेषाधिकारों को उन व्यक्तियों तक भी बढ़ाया है जो संसद के किसी सदन या उसकी किसी समिति की कार्यवाही में बोलने और भाग लेने के हकदार हैं। इनमें भारत के अटॉर्नी जनरल और केंद्रीय मंत्री शामिल हैं लेकिन संसदीय विशेषाधिकार राष्ट्रपति तक विस्तारित नहीं होते हैं जो संसद का अभिन्न अंग भी हैं।

Source: https://prsindia.org/theprsblog/parliamentary-privilege-faqs?page=64&per-page=1

Indian polity by M. Laxmikanth 6th edition chapter- Parliament

**Q.40)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

ग्लोबल रिवर सिटीज अलायंस (जीआरसीए), भारत के नेतृत्व वाली एक पहल हाल ही में दुबई, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के 28वें कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी28) में लॉन्च की गई थी।

**कथन 1 सही है**: राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी), जो सरकार के प्रमुख नमामि गंगे कार्यक्रम को लागू करता है, ने दुबई में 2023 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान ग्लोबल रिवर सिटीज़ अलायंस (जीआरसीए) लॉन्च किया है। जीआरसीए भारत के रिवर सिटीज एलायंस (आरसीए) से प्रेरित था, जो नमामि गंगे कार्यक्रम की एक पहल है।

**कथन 2 गलत है**: जीसीआरए का लक्ष्य देशों की प्रमुख नदियों को आपस में जोड़ना नहीं है; बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य नदी संरक्षण और टिकाऊ जल प्रबंधन के लिए वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना है। यह दुनिया भर के शहरों में नदी-संवेदनशील विकास का प्रचार करने वाला एक अनूठा गठबंधन है।

**कथन 3 गलत है**: वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई) और वर्ल्ड बिजनेस काउंसिल फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (डब्ल्यूबीसीएसडी) जीसीआरए पहल का हिस्सा नहीं हैं। जीसीआरए भारत के नेतृत्व वाला नौ देशों का गठबंधन है। अन्य आठ राष्ट्र डेनमार्क, कंबोडिया, जापान, भूटान, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, मिस्र और घाना हैं।

यहां यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक और एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक जैसी बहुपक्षीय फंडिंग एजेंसियों ने इस पहल के लिए अपना समर्थन देने का वादा किया है।

Source: https://www.hindustantimes.com/india-news/india-to-lead-nine-member-global-river-cities-alliance-101702301508833.html

https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1985500#:~:text=The%20Global%20River%20Cities%20Alliance,Netherlands%2C%20Denmark%2C%20Ghana%2C%20Australia

**Q.41)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

**कथन 1 गलत है**: 1997 में राज्यसभा में और 2000 में लोकसभा में आचार समिति का गठन किया गया था। यह संसद के सदस्यों की आचार संहिता को लागू करती है। लोकसभा समिति में 15 सदस्य होते हैं, जबकि राज्यसभा समिति में 10 सदस्य होते हैं।

**कथन 2 सही है**: इस आचार समिति के कार्य प्रकृति में अर्ध-न्यायिक हैं। आचार समिति कदाचार के मामलों की जांच करती है और उचित कार्रवाई की सिफारिश करती है। इस प्रकार, वह संसद में अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने में लगी हुई है। यदि आचार समिति को शिकायत में योग्यता मिलती है, तो वह सिफारिशें कर सकती है। यह जिस संभावित सज़ा की सिफारिश कर सकता है उसमें आम तौर पर एक निर्दिष्ट अवधि के लिए सांसद का निलंबन, निंदा या जुर्माना शामिल है।

Source: page 584 chapter 23 - Parliamentary Committees - M. LAXMIKANT

**Q.42)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**

**विकल्प a गलत है**: सरकारी आश्वासनों पर समिति (सीजीए) भारत की संसद की एक स्थायी समिति है, जो सदन में मंत्रियों द्वारा दिए गए आश्वासनों, वादों, उपक्रमों और बयानों की जांच करने और उनके कार्यान्वयन पर रिपोर्ट करने के लिए जिम्मेदार है। सीजीए सदन में मंत्रियों द्वारा दिए गए आश्वासनों, वादों, उपक्रमों और बयानों की जांच करता है, यह सुनिश्चित करता है कि वे विशिष्ट, समयबद्ध और कार्रवाई योग्य हैं।

**विकल्प b गलत है**: सार्वजनिक उपक्रमों पर समिति (सीओपीयू) भारत की संसद की एक स्थायी समिति है, जो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) की रिपोर्ट और खातों की जांच के लिए जिम्मेदार है। सीओपीयू पीएसयू के वित्तीय प्रदर्शन, परिचालन दक्षता और सरकारी नीतियों के पालन का आकलन करने के लिए उनकी वार्षिक रिपोर्ट, खातों और अन्य दस्तावेजों की जांच करता है।

**विकल्प c गलत है**: लोक लेखा समिति (पीएसी) भारत की संसद की एक स्थायी समिति है, जो भारत सरकार के खातों की जांच के लिए जिम्मेदार है। यह सरकारी खर्च में वित्तीय जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पीएसी भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की ऑडिट रिपोर्ट की जांच करती है, जो सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में अनियमितताओं, हेराफेरी और फिजूलखर्ची को उजागर करती है।

**विकल्प d सही है**: प्राक्कलन समिति लोकसभा की एक स्थायी समिति है। इसे बजटीय आवंटन की जांच करने का अधिकार है, यह समिति वित्तीय योजनाओं की सावधानीपूर्वक समीक्षा करती है और सार्वजनिक व्यय को अनुकूलित करने के लिए लागत-बचत उपायों की सिफारिश करती है। समिति प्रशासन में दक्षता और अर्थव्यवस्था लाने के लिए वैकल्पिक नीतियों का भी सुझाव देती है। समिति बजट में शामिल अनुमानों की जांच करती है. समिति उन क्षेत्रों की पहचान करती है जहां सेवाओं की गुणवत्ता या सरकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से समझौता किए बिना सार्वजनिक व्यय में बचत की जा सकती है। समिति अपनी रिपोर्ट संसद को सौंपती है, जिस पर सदन विचार करता है और आगे की कार्रवाई कर सकता है।

Source: page 573 chapter 23 - Parliamentary Committees - M. LAXMIKANT

**Q.43)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

संविधान के तहत, भारत की संसद में तीन भाग होते हैं, राष्ट्रपति, राज्यों की परिषद और लोगों का सदन।

**कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है**: हालाँकि भारत का राष्ट्रपति संसद के किसी भी सदन का सदस्य नहीं है और इसकी बैठकों में भाग लेने के लिए संसद में नहीं बैठता है, फिर भी वह संसद का अभिन्न अंग है. ऐसा इसलिए है क्योंकि संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित विधेयक राष्ट्रपति की सहमति के बिना कानून नहीं बन सकता है।

testinpdf.com

वह संसद की कार्यवाही से संबंधित कुछ कार्य भी करता है, उदाहरण के लिए, वह दोनों सदनों को बुलाता है और स्थगित करता है, लोकसभा को भंग करता है, दोनों सदनों को संबोधित करता है, जब वे सत्र में नहीं होते हैं तो अध्यादेश जारी करता है, इत्यादि।

Source: page 573 chapter 23 - Parliamentary Committees - M. LAXMIKANT

**Q.44)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**

लोकसभा अध्यक्ष भारत की संसद के निचले सदन लोकसभा का पीठासीन अधिकारी और सर्वोच्च प्राधिकारी होता है। आम चुनाव के बाद आम तौर पर लोकसभा की पहली बैठक में अध्यक्ष का चुनाव किया जाता है। पांच साल की अवधि के लिए अध्यक्ष को लोकसभा के मौजूदा सदस्यों में से चुना जाता है।

**विकल्प 1 गलत है**: जब भी लोकसभा भंग होती है, अध्यक्ष अपना पद खाली नहीं करता है और नवनिर्वाचित लोकसभा की बैठक होने तक पद पर बना रहता है।

**विकल्प 2 गलत है**: अध्यक्ष दसवीं अनुसूची के प्रावधानों के तहत दलबदल के आधार पर उत्पन्न होने वाले लोकसभा सदस्य की अयोग्यता के प्रश्नों का निर्णय करता है। अन्य संवैधानिक प्रावधानों के तहत सांसदों की अयोग्यता के प्रश्न पर राष्ट्रपति निर्णय लेते हैं। संसद के किसी भी सदन के सदस्य की अयोग्यता के संबंध में उनका निर्णय अंतिम होता है। हालाँकि, राष्ट्रपति अयोग्यता पर निर्णय लेने से पहले चुनाव आयोग की राय ज़रूर लेते हैं

**विकल्प 3 गलत है**: अध्यक्ष और **उपाध्यक्ष** की संस्थाएं 1921 में भारत सरकार अधिनियम 1919 (मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार) के प्रावधानों के तहत भारत में उत्पन्न हुईं।

उस समय अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को क्रमशः राष्ट्रपति और उपाध्यक्ष कहा जाता था और यही नामकरण 1947 तक जारी रहा।

Source: page 478 chapter 22 - Parliament - M. LAXMIKANT

**Q.45)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

भारत सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद वस्तु एवं सेवा कर से संबंधित मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकार को सिफारिशें करती है। हाल ही में, केंद्र सरकार ने जटिल कर संरचना को सरल बनाने और इसकी विभिन्न दरों को संशोधित करने के लिए जीएसटी परिषद के भीतर मंत्रिस्तरीय समूह का पुनर्गठन किया है।

**कथन 1 गलत है**: जीएसटी परिषद चोरी विरोधी उपायों के संबंध में सिफारिशें कर सकती है, लेकिन जीएसटी की चोरी का पता लगाने के लिए जांच और संचालन आयोजित करने की वास्तविक जिम्मेदारी माल और सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) की है।

**कथन 2 सही है**: भारत के संविधान के अनुसार, जीएसटी परिषद केंद्र और एक या अधिक राज्यों के बीच या परिषद के निर्णयों से उत्पन्न होने वाले मुद्दों पर राज्यों के बीच किसी भी विवाद का निपटारा करने के लिए एक तंत्र स्थापित कर सकती है।

**कथन 3 सही है**: भारत के संविधान के अनुसार, वस्तु एवं सेवा कर परिषद का प्रत्येक निर्णय एक बैठक में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम तीन-चौथाई बहुमत के बहुमत से लिया जाएगा। निम्नलिखित सिद्धांतों के अनुसार, अर्थात्:-

(a) केंद्र सरकार के वोट का वेटेज कुल डाले गए वोटों का एक तिहाई होगा, और

(b) सभी राज्य सरकारों के मतों को मिलाकर उस बैठक में डाले गए कुल मतों का दो-तिहाई भारांश होगा।

Source:https://www.thehindu.com/business/centre-rejigs-gom-to-simplify-gst-rates/article67635249.ece

http://dggi.gov.in/history

**Q.46)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

धन विधेयक भारत की संसद के निचले सदन लोकसभा में पेश किया गया एक विशेष प्रकार का विधेयक है। यह कराधान, सार्वजनिक व्यय और सार्वजनिक धन के विनियोग जैसे वित्तीय मामलों से संबंधित है। भारतीय संसदीय प्रणाली में धन विधेयक को विशेष विशेषाधिकार और प्रक्रियाएँ प्रदान की जाती हैं।

**विकल्प 1 सही है**: धन विधेयक केवल लोकसभा में पेश किया जा सकता है और वह भी राष्ट्रपति की सिफारिश पर।

**विकल्प 2 गलत है**: धन विधेयक केवल भारत की संसद के निचले सदन लोकसभा में एक मंत्री द्वारा पेश किया जा सकता है। यह धन विधेयकों को दिया गया एक विशेष विशेषाधिकार है, जो सरकार के वित्तीय नियंत्रण और संसदीय संप्रभुता के सिद्धांत में उनके महत्व को दर्शाता है।

**विकल्प 3 सही है**: धन विधेयक लोकसभा द्वारा पारित होने के बाद, इसे विचार के लिए राज्यसभा में भेजा जाता है। धन विधेयक के संबंध में राज्यसभा की शक्तियां सीमित हैं। यह किसी धन विधेयक को अस्वीकार या संशोधित नहीं कर सकता। यह केवल सिफ़ारिशें ही कर सकता है। उसे बिल को 14 दिनों के भीतर लोकसभा को लौटाना होगा, चाहे सिफ़ारिशों के साथ या बिना सिफ़ारिशों के। लोकसभा राज्यसभा की सभी या किसी भी सिफ़ारिश को स्वीकार या अस्वीकार कर सकती है।

ज्ञानधार:

संविधान का अनुच्छेद 110 धन विधेयक की परिभाषा से संबंधित है। इसमें कहा गया है कि किसी विधेयक को धन विधेयक माना जाता है यदि इसमें निम्नलिखित सभी या किसी भी मामले से संबंधित 'केवल' प्रावधान शामिल हैं:

1) किसी भी कर का अधिरोपण, उन्मूलन, छूट, परिवर्तन या विनियमन।

2) केंद्र सरकार द्वारा धन उधार लेने का विनियमन।

3) भारत की संचित निधि या भारत की आकस्मिक निधि की अभिरक्षा, ऐसी किसी निधि में धन का भुगतान या धन की निकासी।

4) भारत की संचित निधि से धन का विनियोग।

5) भारत की संचित निधि पर लगने वाले किसी व्यय की घोषणा करना या ऐसे किसी व्यय की राशि बढ़ाना।

6) 6. भारत की संचित निधि या भारत के सार्वजनिक खाते से धन की प्राप्ति या ऐसे धन की अभिरक्षा या जारी करना, या संघ या किसी राज्य के खातों का ऑडिट।

Source: page 523 chapter 22 - Parliament - M. LAXMIKANT

**Q.47)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक एक विशेष सत्र को संदर्भित करती है जहां लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्य किसी विशेष मामले पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ बुलाते हैं। संयुक्त बैठक तब बुलाई जाती है जब किसी विधेयक को पारित करने को लेकर दोनों सदनों के बीच गतिरोध होता है। गतिरोध तब उत्पन्न होता है जब किसी विधेयक के प्रावधानों पर दोनों सदनों में मतभेद हो जाता है और किसी समझौते पर पहुंचने के बार-बार प्रयास विफल हो जाते हैं। संयुक्त बैठक का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 108 में उल्लिखित है।

**विकल्प 1 सही है :** भारत में किसी साधारण विधेयक के लिए संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुलाई जा सकती है। साधारण विधेयक उस प्रकार के विधेयक होते हैं जिनका संबंध वित्तीय विषयों के अलावा किसी अन्य विषय से होता है।

**विकल्प 2 ग़लत है :** भारतीय संसदीय प्रणाली में धन विधेयक के लिए संयुक्त बैठकें नहीं बुलाई जातीं। धन विधेयक की एक अलग और विशिष्ट प्रक्रिया भारत के संविधान में उल्लिखित है, मुख्य रूप से अनुच्छेद 110 में। धन विधेयक कराधान, सार्वजनिक व्यय आदि जैसे वित्तीय मामलों से संबंधित हैं।

**विकल्प 3 सही है :** संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक उन वित्त विधेयकों के लिए बुलाई जा सकती है जिन्हें धन विधेयक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। वित्त विधेयक ऐसे विधेयक हैं जो वित्तीय मामलों से भी संबंधित होते हैं (लेकिन धन विधेयक से भिन्न होते हैं)। सामान्य अर्थ में, कोई भी विधेयक जो राजस्व या व्यय से संबंधित है, एक वित्तीय विधेयक है। धन

विधेयक भी एक विशिष्ट प्रकार का वित्तीय विधेयक है, जो केवल अनुच्छेद 110 (1) (a) से (g) में निर्दिष्ट मामलों से निपटना चाहिए। वित्तीय बिल सरकारी खर्च या राजस्व जैसे राजकोषीय मामलों के लिए जिम्मेदार होते हैं।

**विकल्प 4 गलत है :** भारत में संवैधानिक संशोधन विधेयकों के लिए संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक नहीं बुलाई जाती है। संवैधानिक संशोधन विधेयकों को पारित करने की प्रक्रिया भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत निर्दिष्ट है। संविधान में संशोधन की प्रक्रिया संयुक्त बैठक प्रावधान से अलग है।

ज्ञानकोष: संयुक्त बैठक के बारे में मुख्य बातें:

**1) उद्देश्य**: संयुक्त बैठक का प्राथमिक उद्देश्य गैर-धन विधेयक पर संसद के दोनों सदनों के बीच गतिरोध को हल करना है। गतिरोध तब उत्पन्न होता है जब दोनों सदन किसी विशेष कानून पर असहमत होते हैं, और सामान्य विधायी प्रक्रिया के माध्यम से आम सहमति तक पहुंचने के प्रयास विफल हो जाते हैं।

**2) पहल**: भारत के राष्ट्रपति को संयुक्त बैठक बुलाने का अधिकार है। यह आम तौर पर तब किया जाता है जब एक सदन ने किसी विधेयक को पारित कर दिया हो, और दूसरे सदन ने या तो इसे अस्वीकार कर दिया हो या ऐसे संशोधन सुझाए हों जो पहले सदन को स्वीकार्य नहीं हैं।

**3) पीठासीन अधिकारी**: लोकसभा अध्यक्ष संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करते हैं। यदि अध्यक्ष उपलब्ध नहीं है, तो उपाध्यक्ष या, उनकी अनुपस्थिति में, उपस्थित सदस्यों द्वारा चुना गया कोई अन्य सदस्य अध्यक्षता कर सकता है।

**4) निर्णय**: विधेयक पर निर्णय आमतौर पर उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों की कुल संख्या के साधारण बहुमत द्वारा निर्धारित किया जाता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि संयुक्त बैठक विशेष रूप से उस विधेयक के लिए बुलाई जाती है, और सदस्य केवल उस विशेष कानून पर विचार-विमर्श करते हैं और मतदान करते हैं।

5) तीन उदाहरण जब संयुक्त बैठक बुलाई गई है

a. बैंकिंग सेवा आयोग (निरसन) विधेयक, 1978।

b. आतंकवाद निरोधक विधेयक, 2002.

c. भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार (संशोधन) विधेयक, 2015।

Source: Indian Polity: M Lakshmikanth, chapter 22

**Q.48)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

बजट वार्षिकी के सिद्धांत पर आधारित है, यानी संसद सरकार को एक वित्तीय वर्ष के लिए धन देती है।

'व्यपगत का नियम' के तहत यदि दी गई धनराशि वित्तीय वर्ष के अंत तक खर्च नहीं की जाती है, तो शेष राशि समाप्त हो जाती है और भारत के समेकित कोष में वापस आ जाती है। यह संसद द्वारा प्रभावी वित्तीय नियंत्रण की सुविधा प्रदान करता है क्योंकि इसकी अनुमति के बिना कोई भी आरक्षित निधि नहीं बनाई जा सकती है। हालाँकि, इस नियम के पालन से वित्तीय वर्ष के अंत में व्यय में भारी वृद्धि होती है। इसे लोकप्रिय रूप से 'मार्च रश' कहा जाता है।

Source: Laxmikant 6th Edition.pdf

**Q.49)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

एक सामान्य कानून प्रणाली की शुरुआत का पता 1726 में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा मद्रास, बॉम्बे और कलकत्ता में 'मेयर कोर्ट' की स्थापना से लगाया जा सकता है। कंपनी के एक व्यापारिक कंपनी से एक सत्तारूढ़ शक्ति में परिवर्तन के साथ, न्यायिक प्रणाली के नए तत्व पेश किए गए।

**कथन 1 गलत है :** 1773 के रेगुलेटिंग एक्ट (और 1813 के चार्टर एक्ट नहीं) के तहत, 1774 में कलकत्ता में एक सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश और तीन अन्य न्यायाधीश शामिल थे। यह कलकत्ता के भीतर और



testinpdf.com

भारतीयों और यूरोपीय सहित सभी ब्रिटिश विषयों और अधीनस्थ कारखानों पर मुकदमा चलाने में सक्षम था। इसके मूल और अपीलीय क्षेत्राधिकार थे।

**कथन 2 सही है :** 1833 के चार्टर अधिनियम के प्रावधानों के तहत भारतीय कानूनों के संहिताकरण के लिए मैकाले के तहत एक विधि आयोग की स्थापना की गई थी। परिणामस्वरूप, एक सिविल प्रक्रिया संहिता (1859), एक भारतीय दंड संहिता (1860) और एक आपराधिक प्रक्रिया संहिता (1861) बनाई गई। तैयारी थी।

**कथन 3 ग़लत है :** 1935 का भारत सरकार अधिनियम (और 1919 का अधिनियम नहीं) एक संघीय न्यायालय की स्थापना का प्रावधान करता था, जिसे 1937 में स्थापित किया गया था। अदालत संघीय इकाइयों के बीच विवादों का निपटारा कर सकती थी और उच्च न्यायालयों से सीमित अपीलें सुन सकती थी।

**कथन 4 सही है :** ब्रिटिश काल के दौरान, प्रिवी काउंसिल अपील की सर्वोच्च अदालत के रूप में कार्य करती थी। अपीलें उन उपनिवेशों और कुछ अन्य स्थानों से आईं जिन पर ब्रिटेन का अधिकार क्षेत्र था। प्रिवी काउंसिल ने भारतीय और अंग्रेजी कानूनी प्रणालियों के बीच एक पुल के रूप में कार्य किया। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, प्रिवी काउंसिल क्षेत्राधिकार अधिनियम, 1949 को समाप्त करके प्रिवी काउंसिल के अधिकार क्षेत्र को समाप्त कर दिया गया।

Source: Indian Polity, Laxmikanth, Chapter-1

Modern History, Spectrum, Chapter-26, Pg. 522-523

**Q.50)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

चेन्नई में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की दक्षिणी पीठ ने केंद्र सरकार, कर्नाटक और केरल राज्य सरकारों और उनके प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को नोटिस भेजा है। ये नोटिस कर्नाटक के नेट्टानिगे-मुदनूर गांव के पास, केरल के कासरगोड जिले के मिनचिनपदावु के पहाड़ी क्षेत्र में एंडोसल्फान की संदिग्ध अवैध और अवैज्ञानिक डंपिंग के बारे में एक शिकायत के जवाब में हैं।

**कथन 1 सही है**: एंडोसल्फान, जिसे एक स्थायी कार्बनिक प्रदूषक (पीओपी) के रूप में पहचाना जाता है, त्वरित जैव निम्नीकरण का प्रतिरोध करता है और जीवित जीवों में इसके शक्तिशाली जैवसंचय में योगदान देता है, जिससे वन्यजीव और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए जोखिम पैदा होता है। इस गुण के कारण, दूर के क्षेत्र में निस्तारित एंडोसल्फान भूजल में प्रवेश कर सकता है और भौगोलिक रूप से अलग-अलग क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है।

**कथन 2 सही है**: एंडोसल्फान एक क्रीम से लेकर भूरे रंग का ठोस पदार्थ है जो क्रिस्टल या गुच्छे के रूप में दिखाई दे सकता है। इसमें तारपीन जैसी गंध होती है, लेकिन यह जलता नहीं है। यह पर्यावरण में प्राकृतिक रूप से नहीं होता है।

**कथन 3 सही है**: सुप्रीम कोर्ट ने 13 मई, 2011 को भारत में एंडोसल्फान के निर्माण, बिक्री, उपयोग और निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

Source: https://www.thehindu.com/news/cities/Mangalore/ngt-issues-notice-to-union-karnataka-and-kerala-governments-on-dumping-endosulfan-in-minchinpadavu/article67673736.ece

https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1896140#:~:text=ARE%20BANNED%20AND-,RESTRICTED,-USE%20%3A

https://wwwn.cdc.gov/TSP/substances/ToxSubstance.aspx?toxid=113#:~:text=Summary%3A%20Endosulfan%20is%20a%20pesticide,occur%20naturally%20in%20the%20environment

**Q.51)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

**विकल्प 1 ग़लत है :** मतदान करने और निर्वाचित होने का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत गारंटीकृत एक संवैधानिक अधिकार है। भारतीय संविधान द्वारा भारतीय नागरिकों को दिए गए वे अधिकार जो भाग III के अंतर्गत शामिल नहीं हैं, संवैधानिक अधिकार कहलाते हैं।

testimpdf.com

**विकल्प 2 सही है :** सुप्रीम कोर्ट ने हादिया मामले, 2018 में अपने फैसले में कहा कि अपनी पसंद के व्यक्ति से शादी करने का अधिकार जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार (अनुच्छेद 21) का अभिन्न अंग है, जो संविधान के भाग III के तहत गारंटीकृत एक मौलिक अधिकार है। भारत की। एक साथी चुनना, चाहे विवाह के भीतर हो या बाहर, प्रत्येक व्यक्ति का व्यक्तिगत निर्णय है।
**विकल्प 3 सही है :** भारतीय संविधान के अनुच्छेद 20(3) में प्रावधान है कि किसी को भी अपने खिलाफ गवाह बनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। यह भारत के संविधान के भाग III के तहत गारंटीकृत एक मौलिक अधिकार है। चुप रहने के अधिकार को आत्म-दोषारोपण के विरुद्ध अधिकार (कानून का एक मौलिक सिद्धांत) भी कहा जाता है।
Source: https://main.sci.gov.in/jonew/judis/33868.pdf
https://indianexpress.com/article/india/right-to-marry-supreme-court-hadiya-case-5131055/
https://www.hindustantimes.com/india-news/accused-have-right-to-silence-can-t-be-forced-to-speak-supreme-court-101689276196503.html#:~:text=from%20Uttar%20Pradesh.-,The%20right%20to%20silence%20emanates%20from%20Article%2020(3)%20of,a%20fundamental%20canon%20of%20law.
https://archive.pib.gov.in/archive/releases98/lyr2002/rdec2002/18122002/r181220021.html

**Q.52)**
**Ans) c**
**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**
एनएएलएसए का कार्य गरीबों, वंचितों और समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना है। यह जनता को कानूनी जागरूकता भी प्रदान करता है। यह विवादों के निपटारे के लिए लोक अदालतों का भी आयोजन करता है।
**विकल्प a गलत है**: राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है। यह अधिनियम समाज के गरीब और वंचित वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए अधिनियमित किया गया था। एनएएलएसए अधिनियम के कार्यान्वयन और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण (एसएलएसए) के काम के समन्वय के लिए जिम्मेदार है।
**विकल्प b गलत है**: अध्यक्ष भारत के सर्वोच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त और वर्तमान सेवारत न्यायाधीश हो सकता है। NALSA के अध्यक्ष की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। अध्यक्ष की सहायता एक उपाध्यक्ष द्वारा की जाती है।
**विकल्प c सही है**: एनएएलएसए हाशिये पर पड़े लोगों के अधिकारों की सुरक्षा से संबंधित मामलों पर जनहित याचिका (पीआईएल) शुरू कर सकता है। पीआईएल का उद्देश्य हाशिए पर मौजूद लोगों की दुर्दशा को अदालतों के ध्यान में लाना और उनकी शिकायतों का कानूनी समाधान निकालना है। एनएएलएसए ने हाशिए पर रहने वाले लोगों के अधिकारों की सुरक्षा से संबंधित मामलों पर कई जनहित याचिकाएं शुरू की हैं।
**विकल्प d गलत है**: NALSA लोगों के विभिन्न वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान कर सकता है।
1) महिलाएं और बच्चे
2)अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सदस्य
3) औद्योगिक कामगार
4) सामूहिक आपदा, हिंसा, बाढ़, सूखा, भूकंप, औद्योगिक आपदा के शिकार
5) विकलांग व्यक्ति
6) हिरासत में व्यक्ति
7) मानव तस्करी या बेगार के शिकार।
Source: Laxmikanth - Indian Polity - 5th Edition - Chapter 35 "Subordinate Courts" Heading "NATIONAL LEGAL SERVICES AUTHORITY"

testimpdf.com

**Q.53)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है**

**कथन 1 गलत है**: संविधान ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए न्यूनतम आयु निर्धारित नहीं की है। संविधान सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए कई योग्यताएँ स्थापित करता है। वे हैं -
वह भारत का नागरिक होना चाहिए.
a) उसे पांच साल तक किसी उच्च न्यायालय (या लगातार उच्च न्यायालय) का न्यायाधीश रहना चाहिए था; या
b) उसे दस वर्षों तक किसी उच्च न्यायालय (या लगातार उच्च न्यायालय) का वकील होना चाहिए; या
c) राष्ट्रपति की राय में उसे एक प्रतिष्ठित न्यायविद् होना चाहिए।

**कथन 2 गलत है**: सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या संसद द्वारा तय की जाती है, राष्ट्रपति द्वारा नहीं। मूल रूप से, सर्वोच्च न्यायालय में आठ न्यायाधीश (एक मुख्य न्यायाधीश और सात अन्य) थे। संसद ने समय के साथ न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि की है। सर्वोच्च न्यायालय की वर्तमान क्षमता 34 न्यायाधीशों (एक मुख्य न्यायाधीश और 33 अन्य) की है।

**कथन 3 सही है**: सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का वेतन भारत की संचित निधि से लिया जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि न्यायाधीश अपने वेतन के लिए सरकार पर निर्भर नहीं हैं और स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकते हैं।

Source: Laxmikanth - Indian Polity - 5th Edition - Chapter 26 "Supreme Court " Heading "Qualifications of Judges "

https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1812352#:~:text=The%20sanctioned%20judge%20strength%20of,including%20Chief%20Justice%20of%20India).

**Q.54)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है**

**कथन 1 गलत है**: राज्यपाल किसी धन विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानमंडल को नहीं लौटा सकता। धन विधेयक वह विधेयक है जो धन जुटाने और खर्च करने से संबंधित है। इसलिए, धन विधेयक प्रस्तुत किए जाने पर राज्यपाल के पास केवल दो विकल्प होते हैं: या तो विधेयक पर अपनी सहमति दें या अपनी सहमति रोक लें। यदि राज्यपाल उनकी सहमति रोक देता है, तो विधेयक अधिनियमित नहीं होता है।

**कथन 2 सही है**: किसी राज्य का राज्यपाल विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित कर सकता है। जहां राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक राज्य उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालता है, वहां आरक्षण अनिवार्य है। हालाँकि, यदि विधेयक निम्नलिखित प्रकृति का है तो राज्यपाल उसे आरक्षित भी कर सकते हैं:
1)संविधान के प्रावधानों के विरुद्ध
2)डीपीएसपी का विरोध
3) देश के व्यापक हित के विरुद्ध
4) गंभीर राष्ट्रीय महत्व का
5) संविधान के अनुच्छेद 31ए के तहत संपत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण से संबंधित है।
इसका मतलब यह है कि राज्यपाल राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजने का विकल्प चुन सकते हैं। तब राष्ट्रपति के पास या तो विधेयक पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बनाने का विकल्प होता है या फिर सहमति रोक देने का विकल्प होता है।

**कथन 3 गलत है**: भारत के राज्यपाल के पास राज्य विधायी विधेयकों पर क्वालिफाइड वीटो नहीं है। इसके बजाय, राज्यपाल के पास एक निलंबित वीटो है, जिसका अर्थ है कि राज्यपाल किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानमंडल को वापस कर सकता है। हालाँकि, यदि राज्य विधायिका विधेयक को साधारण बहुमत से फिर से पारित करती है, तो राज्यपाल को विधेयक पर अपनी सहमति देनी होगी। इसका मतलब यह है कि राज्यपाल की वीटो शक्ति अंततः राज्य विधायिका द्वारा सीमित है। राज्यपाल की निलम्बनात्मक वीटो शक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 200 में निहित है।

Source: Laxmikanth - Indian Polity - 5th Edition - Chapter 17 "President " Heading "Presidential Veto over State Legislation "

**Q.55)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

**युग्म 1 सही है:** अनुकूलन अंतर रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण द्वारा प्रकाशित की जाती है
कार्यक्रम (यूएनईपी)। रिपोर्ट में पाया गया है कि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच, अनुकूलन पर प्रगति धीमी हो रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका बड़े पैमाने पर नुकसान और क्षति पर असर पड़ेगा, खासकर सबसे कमजोर देशों पर।

**युग्म 2 गलत है:** उत्सर्जन अंतर रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा प्रकाशित की गई है, न कि वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) द्वारा। रिपोर्ट में कहा गया है कि मीथेन (CH4), नाइट्रस ऑक्साइड (N2O) और फ्लोरिनेटेड गैस का उत्सर्जन, जिसमें ग्लोबल वार्मिंग की संभावना अधिक है और वर्तमान ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन का लगभग एक चौथाई हिस्सा है, तेजी से बढ़ रहा है।

युग्म 3 सही है: स्टेट ऑफ ग्लोबल क्लाइमेट रिपोर्ट विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा प्रकाशित की जाती है। रिपोर्ट पुष्टि करती है कि 2023 रिकॉर्ड पर सबसे गर्म वर्ष होने वाला है। यह जलवायु परिवर्तन को मापने के लिए निम्नलिखित चार मापदंडों का उपयोग करता है जैसे ग्रीनहाउस गैस सांद्रता, समुद्र स्तर में वृद्धि, समुद्र की गर्मी और समुद्र का अम्लीकरण।

Source: https://www.thehindubusinessline.com/news/ahead-of-cop28-three-unep-reports-paint-a-grim-picture-of-climate-reality/article67580553.ece

https://www.thehindu.com/sci-tech/energy-and-environment/2023-set-to-be-hottest-year-ever-un/article67590946.ece#:~:text=The-,WMO,-published%20its%20provisional

https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1988675

**Q.56)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है**

राज्यपाल की विवेकाधीन शक्तियाँ वे शक्तियाँ हैं जिनका संविधान में विशेष रूप से उल्लेख नहीं किया गया है।

**कथन 1 सही है**: राज्य विधान सभा का विश्वास बनाए रखने में विफल रहने पर मंत्रिपरिषद को बर्खास्त करना राज्यपाल की विवेक शक्ति है। यह एक परिस्थितिजन्य विवेकाधीन शक्ति है। राज्यपाल को मामले की परिस्थितियों के अनुसार इस शक्ति का प्रयोग करना चाहिए।

**कथन 2 सही है**: राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश करना राज्यपाल की विवेक शक्ति है। राज्यपाल के पास किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश करने का विवेकाधिकार है। वह ऐसा कर सकता है यदि वह संतुष्ट है कि अनुच्छेद 356 में उल्लिखित शर्तें पूरी हो गई हैं।

Source: Laxmikanth - Indian Polity - 5th Edition - Chapter 30 "Governor "

**Q.57)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

सकारात्मक एवं नकारात्मक स्वतंत्रता की अवधारणा दार्शनिक जेएस मिल द्वारा प्रतिपादित की गई है।

**कथन 1 गलत है**: नकारात्मक स्वतंत्रता' एक ऐसे क्षेत्र को परिभाषित और बचाव करना चाहती है जिसमें व्यक्ति अनुल्लंघनीय होगा, जिसमें वह जो कुछ भी 'करना, बनना या बनना' चाहता है वह 'कर सकता है, हो सकता है या बन सकता है'। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें कोई बाहरी सत्ता हस्तक्षेप नहीं कर सकती. यह एक न्यूनतम क्षेत्र है जो पवित्र है और जिसमें व्यक्ति जो कुछ भी करता है, उसमें हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता है। 'गैर-हस्तक्षेप के न्यूनतम क्षेत्र' का अस्तित्व यह मान्यता है कि मानव स्वभाव और मानवीय गरिमा को एक ऐसे क्षेत्र की आवश्यकता है जहां व्यक्ति दूसरों के द्वारा बिना किसी बाधा के कार्य कर सके। यह क्षेत्र कितना बड़ा होना चाहिए, या इसमें क्या होना चाहिए, यह चर्चा का विषय है और यह बहस का विषय बना रहेगा क्योंकि हस्तक्षेप न करने का क्षेत्र जितना बड़ा होगा उतनी ही अधिक स्वतंत्रता होगी।

**कथन 2 सही है**: सकारात्मक स्वतंत्रता यह मानती है कि कोई व्यक्ति केवल समाज में ही स्वतंत्र हो सकता है (इसके बाहर नहीं) और इसलिए वह उस समाज को ऐसा बनाने का प्रयास करता है जो व्यक्ति के विकास को सक्षम बनाता है। इसका संबंध व्यक्ति और समाज के बीच संबंधों की स्थितियों और प्रकृति को देखने और इन स्थितियों में सुधार करने से है ताकि व्यक्तिगत विकास में कम बाधाएं हों। व्यक्ति को अपनी क्षमता विकसित करने के लिए भौतिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में सकारात्मक स्थितियों को सक्षम करने का लाभ मिलना चाहिए। अर्थात्, व्यक्ति को गरीबी या बेरोजगारी से विवश नहीं होना चाहिए; उनके पास अपनी इच्छाओं और जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त भौतिक संसाधन होने चाहिए।

Source: https://ncert.nic.in/textbook/pdf/keps102.pdf

**Q.58)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**

अनुच्छेद 163 किसी राज्य में मंत्रिपरिषद की स्थिति से संबंधित है, जबकि अनुच्छेद 164 किसी राज्य में मंत्रियों की नियुक्ति, कार्यकाल, जिम्मेदारी, योग्यता, शपथ, वेतन और भत्ते से संबंधित है।

**कथन 1 गलत है**: 91वां संशोधन अधिनियम, 2003 किसी राज्य में मंत्रिपरिषद की ताकत को राज्य की विधान सभा की ताकत का 15% तय करता है।

**कथन 2 गलत है:** जिन राज्यों में संविधान (91वां संशोधन) अधिनियम, 2003 के प्रारंभ में किसी भी राज्य की मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या उक्त 15% से अधिक है, तो, कुल उस राज्य में मंत्रियों की संख्या को राष्ट्रपति द्वारा सार्वजनिक अधिसूचना द्वारा निर्धारित तारीख से छह महीने के भीतर इस खंड के प्रावधानों के अनुरूप लाया जाएगा।

**कथन 3 गलत है:** अनुच्छेद 164 में कहा गया है कि, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश और ओडिशा राज्यों में, आदिवासी कल्याण मंत्री होगा। संविधान में 10% से अधिक आदिवासी आबादी वाले प्रत्येक राज्य में आदिवासी मंत्रालय गठित करने का कोई उल्लेख नहीं है।

Source: https://www.india.gov.in/sites/upload_files/npi/files/amend91.pdf

Indian Polity, M Laxmikanth: Chapter-32

**Q.59)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

संविधान के अनुच्छेद 1 के अनुसार, भारत के क्षेत्र में तीन श्रेणियों के क्षेत्र शामिल हैं: (a) राज्यों के क्षेत्र; (b) केंद्र शासित प्रदेश; और (c) वे क्षेत्र जिन्हें भारत सरकार द्वारा किसी भी समय अधिग्रहित किया जा सकता है। वर्तमान में देश में 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। केंद्र शासित प्रदेशों का प्रशासन राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त प्रशासक के माध्यम से किया जाता है। भारत के निम्नलिखित केंद्र शासित प्रदेशों का गठन नीचे दिए गए कालानुक्रमिक क्रम में किया गया है:

• लक्षद्वीप (1956): 1 नवंबर 1956 को, भारतीय राज्यों के पुनर्गठन के दौरान, लक्षद्वीप द्वीपों को मालाबार जिले से अलग कर दिया गया और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए एक अलग केंद्र शासित प्रदेश में संगठित किया गया। 1 नवंबर 1973 को लक्षद्वीप नाम अपनाने से पहले नए क्षेत्र को लक्षद्वीप, मिनिकॉय और अमिनदीवी द्वीप कहा जाता था।

1956 में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और दिल्ली को भी अलग केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया।

• दादरा और नगर हवेली (1961-62): 1954 से 1961 तक, दादरा और नगर हवेली एक वास्तविक राज्य के रूप में अस्तित्व में था जिसे मुक्त दादरा और नगर हवेली के नाम से जाना जाता था। इसका प्रबंधन भारत सरकार की प्रशासनिक मदद से फ्री दादरा और नगर हवेली की वरिष्ठ पंचायत नामक संस्था द्वारा किया जाता था। दादरा और नगर हवेली को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में शामिल करने के लिए भारत के संविधान का दसवां संशोधन पारित किया गया, जो 11 अगस्त 1961 से प्रभावी हुआ।

दिसंबर 2019 में, भारत की संसद ने 26 जनवरी 2020 को दादरा और नगर हवेली को निकटवर्ती केंद्र शासित प्रदेश दमन और दीव के साथ विलय करके एक एकल केंद्र शासित प्रदेश बनाने का कानून पारित किया, जिसे दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के नाम से जाना जाएगा। 1962 में इसे केंद्र शासित प्रदेश के रूप में भी मान्यता दी गई।

• चंडीगढ़ (1966): 1 नवंबर 1966 को, नवगठित राज्य हरियाणा को पूर्वी पंजाब के पूर्वी और दक्षिणी हिस्से से अलग किया गया था, ताकि उस हिस्से में बहुसंख्यक हरियाणवी भाषी लोगों के लिए एक नया राज्य बनाया जा सके, जबकि पश्चिमी हिस्से में पूर्वी पंजाब में ज्यादातर पंजाबी भाषी बहुमत बरकरार रहा और इसका नाम बदलकर पंजाब कर दिया गया। चंडीगढ़ दोनों राज्यों की सीमा पर स्थित था और राज्य शहर को अपने-अपने क्षेत्रों में शामिल करने के लिए चले गए। हालाँकि, चंडीगढ़ शहर को दोनों राज्यों की राजधानी के रूप में केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया गया था।
• लद्दाख (2019): अगस्त 2019 में, भारत की संसद द्वारा एक पुनर्गठन अधिनियम पारित किया गया था जिसमें 31 अक्टूबर 2019 को जम्मू और कश्मीर के बाकी हिस्सों (एक केंद्र शासित प्रदेश) से अलग, लद्दाख को एक केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पुनर्गठित करने का प्रावधान था।
Source: Laxmikanth Chapter 40 Union Territories

**Q.60)**
**Ans) c**
**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**
हाल ही में, टैक्स इंस्पेक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (TIWB) ने सेंट लूसिया (कैरेबियन में एक देश) में एक कार्यक्रम शुरू किया, जिसमें भारत कर विशेषज्ञों का योगदान देकर भागीदार प्रशासन के रूप में काम कर रहा है। इसका उद्देश्य तकनीकी ज्ञान और कौशल को स्थानांतरित करने के साथ-साथ सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करके अपने कर प्रशासन को मजबूत करने में सेंट लूसिया की सहायता करना है।
**विकल्प c सही है**: टैक्स इंस्पेक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (टीआईडब्ल्यूबी) आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के बीच एक संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य देशों की टैक्स ऑडिट क्षमताओं को बढ़ाना है। यह कार्यक्रम कर मुद्दों पर सहयोग को मजबूत करने के व्यापक वैश्विक प्रयासों के साथ संरेखित है और विकासशील देशों के घरेलू संसाधन जुटाने के प्रयासों का समर्थन करता है।
टीआईडब्ल्यूबी का उद्देश्य एक केंद्रित, व्यावहारिक "करके सीखना" दृष्टिकोण के माध्यम से विकासशील देशों के कर प्रशासन के साथ टैक्स ऑडिट ज्ञान और कौशल के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना है। विशेष रूप से, विशेषज्ञ चल रहे ऑडिट, अंतरराष्ट्रीय कर मामलों और विशिष्ट मामलों से संबंधित सामान्य ऑडिट प्रथाओं को संबोधित करने पर स्थानीय कर अधिकारियों के साथ सीधे सहयोग करेंगे। यह सहायता टैक्स ऑडिट के विशेष क्षेत्र में वास्तविक, वर्तमान मामलों पर सहायता प्रदान करने के अनूठे फोकस के अनुरूप बनाई गई है।
Source: https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1986833
https://www.tiwb.org/about/

**Q.61)**
**Ans) c**
**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 169 किसी राज्य में विधान परिषद के उन्मूलन या निर्माण से संबंधित है। यदि कोई राज्य विधानमंडल पूर्ण बहुमत से एक प्रस्ताव पारित करता है, जिसमें वास्तव में उपस्थित सदस्यों में से कम से कम दो-तिहाई सदस्य दूसरे सदन के निर्माण के पक्ष में मतदान करते हैं, और यदि संसद ऐसे प्रस्ताव पर सहमति देती है, तो संबंधित राज्य विधानमंडल में दो सदन हो सकते हैं।
**विकल्प a गलत है:** विधान परिषद का संख्या बल तय करने में राष्ट्रपति की कोई भूमिका नहीं होती है।
**विकल्प b गलत है**: राज्य विधान सभा राज्य में विधान परिषद के निर्माण के लिए प्रस्ताव पारित करती है लेकिन इसका संख्या बल तय नहीं करती है क्योंकि यह संसद द्वारा विधान परिषद अधिनियम, 1957 में संशोधन करके तय किया जाता है।
**विकल्प c सही है:** संसद विधान परिषद अधिनियम, 1957 में संशोधन करके विधान परिषद का संख्या बल तय करती है। संसद एक विधान परिषद को समाप्त कर सकती है (जहां यह पहले से मौजूद है) या इसे साधारण बहुमत से गठित कर सकती है (जहां यह मौजूद नहीं है), यानी प्रत्येक सदन के उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों का बहुमत, यदि संबंधित विधान

सभा राज्य, विशेष बहुमत से, इस आशय का एक प्रस्ताव पारित करता है। विधान सभा का निर्माण विधान परिषद अधिनियम, 1957, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अनुसार किया जाता है।

**विकल्प d गलत है:** किसी राज्य के राज्यपाल की विधान परिषद की ताकत तय करने में कोई भूमिका नहीं होती है।

Source: Indian Polity, M Laxmikanth: Chapter-33

http://164.100.47.4/billstexts/lsbilltexts/asintroduced/46_1957_LS_eng.pdf

**Q.62)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

भारत में विधान सभा के सदस्यों की अयोग्यता संविधान में निर्धारित नियमों, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और दसवीं अनुसूची के प्रावधानों के तहत दलबदल के आधार पर नियंत्रित होती है।

**कथन 1 सही है:** संविधान और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में उल्लिखित प्रावधानों के तहत अयोग्यता का निर्णय राज्य के राज्यपाल द्वारा किया जाता है, और इस संबंध में उनके निर्णय को अंतिम प्राधिकारी माना जाता है। हालाँकि, उन्हें भारत के चुनाव आयोग की राय लेनी चाहिए और उसके अनुसार कार्य करना चाहिए।

**कथन 2 गलत है:** संविधान में उल्लेख है कि किसी सदस्य को इस आधार पर अयोग्य ठहराया जा सकता है कि, वह विकृत दिमाग का है और उसे अदालत द्वारा ऐसा घोषित किया गया है।

**कथन 3 सही है:** लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत, एक सदस्य को अयोग्य घोषित कर दिया जाता है यदि वह किसी निगम में निदेशक या प्रबंधक के पद पर है और उस निगम में लाभ का पद रखता है जिसमें सरकार की कम से कम 25% हिस्सेदारी है।

Source: Indian Polity, M Laxmikanth: Chapter-33

**Q.63)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

राज्य विधानमंडल के प्रत्येक सदन का अपना पीठासीन अधिकारी होता है। विधान सभा के लिए एक अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष तथा विधान परिषद के लिए एक सभापति और एक उपसभापति होता है। विधानसभा के लिए अध्यक्ष का एक पैनल और परिषद के लिए उपसभापति का एक पैनल भी नियुक्त किया जाता है।

**कथन a गलत है:** एक पीठासीन अधिकारी के रूप में, परिषद में सभापति की शक्तियां और कार्य ज्यादातर मामलों में विधानसभा अध्यक्ष के समान होते हैं। हालाँकि, अध्यक्ष के पास कुछ विशेष शक्तियाँ होती हैं जिनका आनंद सभापति को नहीं मिलता है। उदाहरण के लिए, अध्यक्ष यह निर्णय लेता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं और इस प्रश्न पर उसका निर्णय अंतिम होता है।

**कथन b और d सही हैं:** विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष और परिषद के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन और भत्ते राज्य विधानमंडल द्वारा तय किए जाते हैं। वे राज्य की संचित निधि पर भारित होते है और इस प्रकार वे राज्य विधायिका के वार्षिक वोट के अधीन नहीं होते हैं।

**कथन c सही है:** यदि अध्यक्ष को परिषद के सभी तत्कालीन सदस्यों के साधारण बहुमत द्वारा पारित प्रस्ताव द्वारा हटा दिया जाता है, तो वह अपने पद से विमुक्त हो जाता है।

Source: Indian Polity, M Laxmikanth: Chapter-33

**Q.64)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

testimpdf.com

संविधान में मुख्यमंत्री को चुनने और नियुक्त करने के लिए एक परिभाषित प्रक्रिया का अभाव है। अनुच्छेद 164 में केवल इतना कहा गया है कि मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाएगी, बिना किसी विशेष प्रक्रिया को निर्दिष्ट किए।

1) राज्यपाल, संवैधानिक परंपराओं के अनुसार, राज्य विधान सभा में बहुमत दल के नेता को आमंत्रित करके मुख्यमंत्री की नियुक्ति करता है। स्पष्ट बहुमत के अभाव में, राज्यपाल विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग कर सकता है, अक्सर सबसे बड़े दल या गठबंधन के नेता को नियुक्त कर सकता है।

**कथन 1 गलत है.** संसदीय प्रणाली की परंपराओं (संविधान में उल्लिखित नहीं) के अनुसार, राज्यपाल से आम तौर पर राज्य विधान सभा में बहुमत दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करने की अपेक्षा की जाती है।

**कथन 2 सही है.** जब किसी भी पार्टी के पास स्पष्ट बहुमत नहीं होता है, तो राज्यपाल व्यक्तिगत विवेक का प्रयोग कर सकते हैं, आमतौर पर सबसे बड़ी पार्टी या गठबंधन के नेता को नियुक्त करते हैं, जिन्हें तब विधानसभा में विश्वास मत हासिल करना होता है।

**कथन 3 सही है.** एक व्यक्ति जो राज्य विधानमंडल का सदस्य नहीं है, उसे राज्यपाल द्वारा छह महीने के लिए मुख्यमंत्री के रूप में नियुक्त किया जा सकता है, जिसके भीतर, उन्हें राज्य विधानमंडल के लिए चुना जाना चाहिए, या वे मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे।

Source: M Laxmikanth Ch-31 Chief Minister

**Q.65)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

हाल ही में, प्रधान मंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (PMBJP) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1000 करोड़ रुपये की दवाएं बेचकर देश में जेनेरिक दवाओं के इतिहास में एक मील का पत्थर स्थापित किया है। इसके अलावा इस योजना के कारण लोगों ने देश के 785 से अधिक जिलों में मौजूद जन औषधि केंद्रों से दवाएं खरीदकर लगभग 5000 करोड़ रुपये बचाए।

**कथन 1 गलत है:** PMBJP जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करता है, जो आम तौर पर गरीबों को किफायती दरों पर ब्रांडेड दवाओं की तुलना में काफी सस्ती होती हैं। जेनेरिक दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध हैं लेकिन उसी तरह काम करती हैं और ब्रांडेड दवा के समान ही नैदानिक लाभ प्रदान करती हैं।

**कथन 2 गलत है:** PMBJP योजना केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत कार्यरत फार्मास्यूटिकल्स विभाग के समग्र तत्वावधान में कार्य करती है। इस योजना का उद्देश्य सभी के लिए, विशेषकर गरीबों और वंचितों के लिए सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य देखभाल में उनकी जेब से होने वाले खर्च को कम करना है।

**कथन 3 सही है:** PMBJP योजना के तहत, सरकारी अस्पताल नए जन औषधि स्टोर स्थापित कर सकते हैं। निजी अस्पताल, राज्य सरकारें, संगठन, प्रतिष्ठित गैर सरकारी संगठन, ट्रस्ट, धर्मार्थ संस्थान, डॉक्टर, बेरोजगार फार्मासिस्ट और व्यक्तिगत उद्यमी नए जन औषधि स्टोर के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदकों को अपने प्रस्तावित स्टोर में बी फार्मा या डी फार्मा डिग्री वाले फार्मासिस्ट की उपस्थिति सुनिश्चित करनी होगी।

Source: https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1988675

https://transformingindia.mygov.in/scheme/pradhan-mantri-bhartiya-janaushadhi-pariyojana/

**Q.66)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक पद पर बने रहते हैं। उन्हें हटाने के लिए संसद में विशेष बहुमत द्वारा महाभियोग की आवश्यकता होती है। मुख्य न्यायाधीश की पहल पर उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का स्थानांतरण किया जा सकता है।

**कथन 1 गलत है.** उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को केवल साबित कदाचार या अक्षमता के आधार पर ही हटाया जा सकता है।

testinpdf.com

**कथन 2 गलत है.** अनुच्छेद 222 उच्च न्यायालयों के बीच मुख्य न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों के स्थानांतरण की अनुमति देता है। किसी न्यायाधीश के स्थानांतरण के लिए संबंधित न्यायाधीश की सहमति की आवश्यकता नहीं होती है। स्थानांतरण सार्वजनिक हित की सेवा करते हैं, देश भर में न्याय के बेहतर प्रशासन को बढ़ावा देते हैं।

Source: M Laxmikanth Ch- 34 High Court

https://www.thehindu.com/opinion/editorial/transfers-unexplained-the-hindu-editorial-on-the-transfer-of-high-court judges/article66191935.ece#:~:text=The%20Memorandum%20of%20Procedure%20is,of%20justice%20throughout%20the%20country.

https://doj.gov.in/memorandum-of-procedure-of-appointment-of-high-court-judges/

**Q.67)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**

केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT) की स्थापना 1985 में भारत के संविधान के अनुच्छेद 323A के तहत की गई थी। CAT के पास केंद्र सरकार के कर्मचारियों से संबंधित सेवा मामलों की एक विस्तृत श्रृंखला पर अधिकार क्षेत्र है। CAT के पास नियुक्ति, पदोन्नति, स्थानांतरण, बर्खास्तगी, वेतन, पेंशन, भत्ते, ग्रेच्युटी आदि सहित सेवा मामलों की एक विस्तृत श्रृंखला पर अधिकार क्षेत्र है।

1) रक्षा बलों के सदस्य, साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारी और कर्मचारी, CAT के अधिकार क्षेत्र के अधीन नहीं हैं।

**कथन 1 गलत है :** प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करते हुए कैट सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 में निर्धारित प्रक्रिया से बंधी नहीं है। दृष्टिकोण में यह लचीलापन CAT को निष्पक्ष और उचित प्रथाओं का पालन करने की अनुमति देता है।

**कथन 2 गलत है :** CAT में सदस्यों की नियुक्ति एक उच्चाधिकार प्राप्त चयन समिति की सिफारिश के आधार पर की जाती है, जिसकी अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश करते हैं, जिन्हें भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित किया जाता है। मुख्य न्यायाधीश की सहमति के बाद, नियुक्तियों को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) से मंजूरी मिलती है। CAT के सदस्य मूल नियुक्ति की तरह ही पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र होंगे।

**कथन 3 ग़लत है :** प्रारंभ में, उच्च न्यायालयों को छोड़कर, CAT के आदेशों के विरुद्ध अपील पर केवल सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार क्षेत्र था। हालाँकि, 1997 के चंद्र कुमार मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों के अधिकार क्षेत्र पर इस प्रतिबंध को असंवैधानिक माना, न्यायिक समीक्षा को संविधान की मूल संरचना का अभिन्न अंग बताया। अब CAT के आदेशों के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की जा सकेगी।

Source: : M Laxmikanth Ch-35 Tribunals

https://dopt.gov.in/sites/default/files/For%20Judicial%20Member_compressed.pdf

**Q.68)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

लोक अदालत एक सांविधिक निकाय है जो अदालत के बाहर विवादों को सुलझाने का एक वैकल्पिक तरीका प्रदान करता है। इसकी स्थापना विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अनुसार की गई थी।

**विकल्प a ग़लत है**. परिवहन सेवाओं, डाक, टेलीग्राफ और टेलीफोन आदि जैसी सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित मामलों से निपटने के लिए स्थायी लोक अदालतों की स्थापना के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 में 2002 में संशोधन किया गया था।

**विकल्प b सही है**. स्थायी लोक अदालत में मामला दायर होने पर कोई अदालती शुल्क देय नहीं होता है। यदि अदालत में लंबित कोई मामला लोक अदालत में भेजा जाता है और बाद में उसका निपटारा हो जाता है, तो शिकायतों/याचिका पर अदालत में मूल रूप से भुगतान की गई अदालती फीस भी पार्टियों को वापस कर दी जाती है।

**विकल्प c गलत है.** स्थायी लोक अदालत के पास किसी ऐसे अपराध से संबंधित किसी भी मामले के संबंध में कोई अधिकार क्षेत्र नहीं होगा जो किसी कानून के तहत समझौता योग्य नहीं है।

**विकल्प d गलत है.** विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के अनुसार, लोक अदालत द्वारा दिया गया निर्णय अंतिम होता है और सभी पक्षों पर बाध्यकारी होता है। इसे सिविल कोर्ट का डिक्री माना जाता है और इसमें सिविल कोर्ट के फैसले के समान ही बल होता है। लोक अदालत के फैसले के खिलाफ किसी भी अदालत में अपील नहीं की जा सकती।

Source: M Laxmikanth Ch- 36 Subordinate Courts

https://nalsa.gov.in/lok-adalat#:~:text=Lok%20Adalats%20have%20been%20given,before%20any%20court%20of%20law.

**Q.69)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 को जमीनी स्तर पर ग्राम न्यायालय स्थापित करने के लिए पेश किया गया था, जिससे नागरिकों की न्याय तक पहुंच सुनिश्चित हो सके। इसका उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक या अन्य विकलांगताओं पर आधारित बाधाओं को दूर करना और सभी के लिए न्याय के समान अवसर सुनिश्चित करना है।

**कथन 1 सही है.** ग्राम न्यायालय एक मोबाइल/सचल अदालत होगी और आपराधिक और दीवानी अदालतों दोनों की शक्तियों का प्रयोग करेगी।

**कथन 2 सही है.** किसी अपराध का आरोपी व्यक्ति ग्राम न्यायालय में प्ली बार्गेनिंग के लिए आवेदन दायर कर सकता है जिसमें ऐसे अपराध का मुकदमा लंबित है। ग्राम न्यायालय आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 के अध्याय XXIA के प्रावधानों के अनुसार मामले का निपटान करेगा।

**ज्ञानकोष: प्ली बार्गेनिंग**:

1) प्ली बार्गेनिंग एक आपराधिक मामले में अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के बीच एक बातचीत है। प्रतिवादी अभियोजक या अदालत से रियायत के बदले में कम आरोप या कम सजा के लिए दोषी ठहराने के लिए सहमत होता है। रियायत कम सज़ा, सिफ़ारिशें या विशिष्ट सज़ा हो सकती है

Source: M Laxmikanth Ch- 36 Subordinate Courts

**Q.70)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

हाल ही में, गृह युद्ध से प्रभावित बच्चों के शैक्षिक और मनोरंजन उद्देश्यों के लिए हाथी दांत और लकड़ी से बने 500 चन्नापटना खिलौने अफगानिस्तान में बच्चों को भेजे गए थे। ये खिलौने विशेष रूप से स्थानीय महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाए गए थे।

**विकल्प c सही है:** चन्नापटना खिलौने कर्नाटक के चन्नापटना शहर से उत्पन्न हुए हैं और 2005 में GI टैग प्राप्त किया। ये खिलौने हाथी दांत और लकड़ी से बने होते हैं। लकड़ी के खिलौने निर्जीव होते हैं और बच्चों के लिए आदर्श होते हैं क्योंकि इनमें रासायनिक रंगों का उपयोग नहीं किया जाता है और इनमें नुकीले किनारे नहीं होते हैं। सरकार द्वारा चीन से खिलौनों के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बाद चन्नापटना के खिलौनों की मांग बढ़ गई।

**ज्ञानकोष**:

आंध्र प्रदेश के कोंडापल्ली के कोंडापल्ली बोम्मल्लू ने 1999 में GI टैग प्राप्त किया था। ये खिलौने, बच्चों के खेलने के सामान से परे, सांस्कृतिक महत्व रखते हैं और नवरात्रि और संक्रांति जैसे त्योहारों के दौरान घरों में सावधानीपूर्वक बनाए जाते हैं।

राजस्थान की कठपुतली, लकड़ी, धातु के तार और कपड़े से बनी मनमोहक कठपुतलियाँ, कठपुतली शो के माध्यम से बच्चों को मोहित करती हैं, कहानी कहने के लिए एक रचनात्मक साधन प्रदान करती हैं। स्ट्रिंग डॉल ने लोक और ऐतिहासिक कहानियों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। इन खिलौनों को वर्ष 2006 में GI टैग प्राप्त हुआ।



testimpdf.com

निर्मल खिलौने, तेलंगाना के निर्मल शहर की लकड़ी की कृतियाँ, को 2009 में GI टैग प्रदान किया गया था। सॉफ्टवुड से तैयार किए गए, इन खिलौनों को विभिन्न आकारों में काटा जाता है, चिंता लप्पम का उपयोग करके एक साथ चिपकाया जाता है (चूरा और इमली के बीज से बना एक गोंद)।

Source: https://www.newindianexpress.com/states/karnataka/2023/Dec/15/channapatna-toys-now-a-part-of-academic-activities-in-afghanistan-2641668.html

**Q.71)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 विचरण/आवागमन की स्वतंत्रता यानी भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूमने का अधिकार की गारंटी देता है। अनुच्छेद 19 के तहत अधिकार केवल राज्य की कार्रवाई से सुरक्षित हैं, निजी व्यक्तियों से नहीं।

**कथन 1 सही है:** भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(d) प्रत्येक नागरिक को देश के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से विचरण करने का अधिकार देता है। यह अधिकार केवल राज्य की कार्रवाई से सुरक्षित है, निजी व्यक्तियों से नहीं।

**कथन 2 सही है:** इस स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगाने के दो आधार हैं, अर्थात् आम जनता के हित और किसी अनुसूचित जनजाति के हितों की सुरक्षा। अनुसूचित जनजातियों की विशिष्ट संस्कृति, भाषा, रीति-रिवाजों और शिष्टाचार की रक्षा करने और उनके पारंपरिक व्यवसाय और संपत्तियों को शोषण से बचाने के लिए आदिवासी क्षेत्रों में बाहरी लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित है।

**कथन 3 सही है**: ये अधिकार केवल नागरिकों और किसी कंपनी के शेयरधारकों के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन विदेशियों या कानूनी व्यक्तियों जैसे कंपनियों या निगमों आदि के लिए नहीं।

**कथन 4 गलत है:** विचरण की स्वतंत्रता के दो आयाम हैं, अर्थात् आंतरिक (देश के अंदर जाने का अधिकार) और बाहरी (देश से बाहर जाने का अधिकार और देश में वापस आने का अधिकार)। अनुच्छेद 19 केवल प्रथम आयाम की रक्षा करता है। दूसरा आयाम अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) द्वारा निपटाया गया है यानी देश से बाहर जाने का अधिकार और देश में वापस आने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत प्रदान नहीं किया गया है।

Source: Laxmikant 6th Edition.pdf

**Q.72)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

**विकल्प a ग़लत है.** अपनी अवधि की समाप्ति से पहले किसी पंचायत के विघटन पर गठित पंचायत केवल उस शेष अवधि के लिए जारी रहेगी, जिसके लिए विघटित पंचायत जारी रहती यदि वह इस प्रकार विघटित नहीं हुई होती। दूसरे शब्दों में, समय से पहले विघटन के बाद पुनर्गठित पंचायत पांच साल की पूरी अवधि का आनंद नहीं ले पाती है, बल्कि शेष अवधि के लिए ही पद पर बनी रहती है।

**विकल्प b सही है.** पंचायत चुनाव के लिए पात्र होने के लिए व्यक्ति की आयु कम से कम 21 वर्ष होनी चाहिए। साथ ही, ग्राम पंचायत का सरपंच या वार्ड सदस्य बनने के लिए आवश्यक न्यूनतम आयु 21 वर्ष है।

**विकल्प c गलत है.** भारत के संविधान के अनुच्छेद 243E में प्रावधान है कि पंचायत के गठन के लिए नये चुनाव संपन्न कराये जायेंगे-

(a) पांच साल की अवधि की समाप्ति से पहले; या

(b) विघटन के मामले में, इसके विघटन की तारीख से छह महीने की अवधि समाप्त होने से पहले।

लेकिन, जहां शेष अवधि (जिसके लिए विघटित पंचायत जारी रहेगी) छह महीने से कम है, तो ऐसी अवधि के लिए नई पंचायत के गठन के लिए कोई चुनाव कराना आवश्यक नहीं होगा।

**विकल्प d गलत है**. अनुच्छेद 243 K प्रत्येक राज्य में एक संवैधानिक निकाय के रूप में एक राज्य चुनाव आयोग की स्थापना करता है, जिसके पास राज्य में पंचायतों के लिए मतदाता सूची की तैयारी और सभी चुनावों के संचालन के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्तियां हैं।

testinpdf.com

**ज्ञानकोष**: राज्य चुनाव आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक प्राधिकरण है जो शासन के तीसरे स्तर यानी स्थानीय स्वशासन, जिसमें पंचायती राज संस्थाएं और शहरी स्थानीय निकाय शामिल हैं, के लिए चुनाव कराने के लिए उत्तरदायी है।

Source: M. Laxmikanth Indian Polity

https://www.mea.gov.in/Images/pdf1/Part9.pdf

https://mahasec.maharashtra.gov.in/Site/1376/Role-of-SEC?format=print

**Q.73)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

**कथन 1 सही है.** किसी राष्ट्रीय पार्टी के उम्मीदवारों को अपना नामांकन दाखिल करने के लिए केवल एक प्रस्तावक या व्यक्ति की आवश्यकता होती है। प्रस्तावक भी संबंधित निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक होना चाहिए, लेकिन एक प्रस्तावक उसी निर्वाचन क्षेत्र का उम्मीदवार भी हो सकता है।

**कथन 2 सही है.** मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों के उम्मीदवार आम चुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा निःशुल्क मतदाता सूची के दो सेट पाने के हकदार होते हैं।

**कथन 3 ग़लत है.** आम चुनावों के दौरान राष्ट्रीय दलों को सार्वजनिक प्रसारकों (निजी प्रसारकों पर नहीं) दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर समर्पित प्रसारण स्लॉट मिलते हैं।

**कथन 4 गलत है.** राजनीतिक दल आम चुनावों के दौरान 'स्टार प्रचारकों' को नामित करने के हकदार हैं। एक राष्ट्रीय पार्टी में अधिकतम 40 'स्टार प्रचारक' हो सकते हैं जबकि एक पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी अधिकतम 20 स्टार प्रचारकों को नामांकित कर सकती है।

Source: https://indianexpress.com/article/india/india-others/what-does-national-party-status-mean/

https://www.firstpost.com/india/lok-sabha-election-2019-who-can-file-nominations-to-contest-polls-documents-required-heres-how-it-works-6369451.html

**Q.74)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

**विकल्प a और b गलत हैं।** भारत एक प्रतिनिधि लोकतंत्र का उदाहरण है, जिसे कभी-कभी अप्रत्यक्ष लोकतंत्र भी कहा जाता है। इस प्रकार के लोकतंत्र में, नागरिक अपनी ओर से निर्णय लेने के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं। भारत में राज्य विधानसभाओं और संसद के सदस्यों का चुनाव अप्रत्यक्ष लोकतंत्र का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

**विकल्प c सही है।** प्रत्यक्ष लोकतंत्र को शुद्ध लोकतंत्र भी कहा जाता है। यह एक ऐसी प्रणाली है जिसमें नागरिक सीधे निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदार बनते है। भारत में ग्राम सभा प्रत्यक्ष लोकतंत्र का आदर्श उदाहरण है। यह एक जिला-स्तरीय स्थानीय स्वशासी निकाय है, जिसमें गाँव के लोग सीधे नीतिगत पहल पर निर्णय लेते हैं।

Source: M. Laxmikanth Indian Polity

https://ncert.nic.in/ncerts/l/fess305.pdf

**Q.75)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

सिकल सेल एनीमिया एक आनुवंशिक विकार है जहां असामान्य हीमोग्लोबिन (HbS) के कारण लाल रक्त कोशिकाएं कठोर, सिकल आकार अपना लेती हैं, जिससे छोटी रक्त वाहिकाओं में रुकावट होती है और ऊतकों और अंगों तक ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है।

testinpdf.com

**कथन-I सही है:** वैज्ञानिकों ने सिकल सेल एनीमिया सहित कुछ आनुवंशिक विकारों के इलाज के लिए CRISPER का उपयोग करके सफल जीन-संपादन थेरेपी विकसित की है। हाल ही में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने संयुक्त राज्य अमेरिका में सिकल सेल रोग के लिए पहले CRISPER जीन संपादन उपचार को मंजूरी दी। उपचार, जिसे एक्सा-सेल (exa-cel) कहा जाता है, जिसमें CRISPER तकनीक शामिल है, लाल रक्त कोशिका के आकार और कार्य में शामिल जीन को संपादित करता है। यूनाइटेड किंगडम में सिकल सेल रोग के लिए एक्सा-सेल की मंजूरी के बाद, FDA का निर्णय अमेरिका को CRISPR थेरेपी को मंजूरी देने वाला दूसरा देश बनाता है।

**कथन-II सही है और कथन-I की व्याख्या करता है:** CRISPR एक जीन-संपादन उपकरण के रूप में कार्य करता है, जो जीवित जीवों में DNA अनुक्रमों में सटीक संशोधन को सक्षम बनाता है। विशेष रूप से, एक्सा-सेल में नियोजित CRISPER प्रणाली हीमोग्लोबिन उत्पादन के लिए जिम्मेदार जीन पर ध्यान केंद्रित करती है, जो रक्त कोशिकाओं में ऑक्सीजन परिवहन के लिए महत्वपूर्ण प्रोटीन है। सिकल सेल एनीमिया में, रोग का एक प्रकार, HBB जीन में उत्परिवर्तन प्रोटीन की संरचना को बदल देता है, जिसके परिणामस्वरूप लाल रक्त कोशिकाएं सिकल आकार में विकृत हो जाती हैं। इस विकृति के कारण रक्त वाहिकाएं अवरुद्ध हो जाती हैं, जिससे तीव्र दर्द और थकान होती है। जीन को लक्षित करने में CRISPER की सटीकता इसे सिकल सेल एनीमिया जैसे आनुवंशिक विकारों के लिए एक आशाजनक उपचार बनाती है।

Source: https://www.scientificamerican.com/article/fda-approves-first-crispr-gene-editing-treatment-for-sickle-cell-disease/#:~:text=On%20December%208%20the%20U.S.,blood%20cell%20shape%20and%20function

**Q.76)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

**कथन 1 गलत है.** 1992 के 74वें संशोधन अधिनियम में प्रावधान है कि जिला योजना समिति के 4/5 अर्थात् 80% सदस्यों का चुनाव जिले में जिला पंचायत और नगर पालिकाओं के निर्वाचित सदस्यों द्वारा अपने बीच से किया जाना चाहिए। समिति में इन सदस्यों का प्रतिनिधित्व जिले की ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या के अनुपात के अनुरूप होना चाहिए। ऐसी समिति का अध्यक्ष विकास योजना को राज्य सरकार को अग्रेषित करेगा।

**कथन 2 सही है.** 1992 के 74वें संशोधन अधिनियम द्वारा सम्मिलित अनुच्छेद 243 ZE में यह निर्धारित किया गया है कि, जिला स्तर पर, जिला योजना समिति को पंचायतों और नगर पालिकाओं द्वारा तैयार की गई योजनाओं को समेकित करना होगा और समग्र रूप से जिले के लिए एक मसौदा विकास योजना तैयार करनी होगी।

Source: M Laxmikanth Indian Polity Page 852

https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2010/Uttar_Pradesh_TL_PRI_2010_Chap_2.pdf

**Q.77)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

संविधान के भाग VIII में अनुच्छेद 239 से 241 केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित हैं। यद्यपि सभी केंद्र शासित प्रदेश एक ही श्रेणी के हैं, फिर भी उनकी प्रशासनिक व्यवस्था में एकरूपता नहीं है।

**विकल्प b सही है:** राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के मुख्यमंत्री की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 239AA दिल्ली के संबंध में विशेष प्रावधानों से संबंधित है। इसमें कहा गया है: "मुख्यमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा मुख्यमंत्री की सलाह पर की जाएगी और मंत्री राष्ट्रपति की इच्छा तक पद पर बने रहेंगे।" इसलिए, राष्ट्रपति के पास केंद्र शासित प्रदेश की विधान सभा में बहुमत दल या गठबंधन की सिफारिशों और समर्थन के आधार पर मुख्यमंत्री की नियुक्ति करने का अधिकार है।

Source: page 874 chapter 40- Union Territories- M. LAXMIKANT

**Q.78)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**

संविधान की पांचवीं अनुसूची चार राज्यों असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम को छोड़कर किसी भी राज्य में अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों के प्रशासन और नियंत्रण से संबंधित है।

**कथन 1 गलत है:** राष्ट्रपति को किसी क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने का अधिकार है। वह संबंधित राज्य के राज्यपाल के परामर्श से इसके क्षेत्र को बढ़ा या घटा सकता है, इसकी सीमा रेखाओं को बदल सकता है, ऐसे पदनाम को रद्द कर सकता है या किसी क्षेत्र पर ऐसे पुन: पदनाम के लिए नए आदेश दे सकता है।

**कथन 2 गलत है:** राज्यपाल को यह निर्देश देने का अधिकार है कि संसद या राज्य विधानमंडल का कोई विशेष अधिनियम किसी अनुसूचित क्षेत्र पर लागू नहीं होता है या निर्दिष्ट संशोधनों और अपवादों के साथ लागू नहीं होता है।

Source: Chapter-41 Scheduled and Tribal Areas, M Laxmikant.

**Q.79)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

भारत का चुनाव आयोग देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए भारत के संविधान द्वारा स्थापित एक स्थायी और स्वतंत्र निकाय है। संविधान के अनुच्छेद 324 में प्रावधान है कि संसद, राज्य विधानसभाओं, भारत के राष्ट्रपति के कार्यालय और भारत के उपराष्ट्रपति के कार्यालय के चुनावों के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण की शक्ति चुनाव आयोग में निहित होगी।

**विकल्प a गलत है**: संविधान ने भारत के चुनाव आयोग के सदस्यों के लिए कानूनी, शैक्षणिक, प्रशासनिक या न्यायिक जैसी योग्यताएं निर्धारित नहीं की हैं। संविधान में चुनाव आयोग के सदस्यों का कार्यकाल निर्दिष्ट नहीं किया गया है।

**विकल्प b सही है**: भारत के चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त, यदि कोई हों, जितनी संख्या राष्ट्रपति समय-समय पर तय कर सकते हैं, से मिलकर बनता है। मुख्य चुनाव आयुक्त तथा अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

**विकल्प c सही है**: भारत का चुनाव आयोग राज्यों में पंचायतों और नगर पालिकाओं के चुनावों से चिंतित नहीं है। इसके लिए भारत का संविधान एक अलग राज्य चुनाव आयोग का प्रावधान करता है।

**विकल्प d सही है**: भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को कार्यकाल की सुरक्षा प्रदान की जाती है। उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान तरीके और समान आधारों के अलावा उनके पद से नहीं हटाया जा सकता है। दूसरे शब्दों में, राष्ट्रपति द्वारा उसे संसद के दोनों सदनों द्वारा विशेष बहुमत से पारित प्रस्ताव के आधार पर, या तो साबित कदाचार या अक्षमता के आधार पर हटाया जा सकता है। इस प्रकार, वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपने पद पर नहीं रहता है, भले ही उसकी नियुक्ति उसके द्वारा की जाती है।

Source: Chapter 42 Election Commission, M Laxmikant

**Q.80)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

दुबई में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में प्रस्तुत की गई हालिया रिपोर्ट में पांच महत्वपूर्ण टिपिंग बिंदुओं की पहचान की गई है। वे हैं ग्रीनलैंड और पश्चिम अंटार्कटिक में बर्फ की चादरें, उत्तरी अटलांटिक उपध्रुवीय गायर परिसंचरण, उष्ण जल में प्रवाल भित्तियाँ और कुछ पर्माफ्रॉस्ट क्षेत्र। ये टिपिंग प्वाइंट इतने बड़े पैमाने पर ख़तरा उत्पन्न करते हैं जिसका मानवता ने पहले कभी सामना नहीं किया है।

**विकल्प c सही है:** जलवायु विज्ञान में, एक टिपिंग प्वाइंट एक महत्वपूर्ण सीमा है, जिसे पार करने पर, जलवायु प्रणाली में बड़े और अक्सर अनुत्क्रमणीय परिवर्तन होते हैं। टिपिंग प्वाइंट की अवधारणा 20 साल पहले इंटरनेशनल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (IPCC) द्वारा पेश की गई थी, लेकिन तब यह सोचा गया था कि यह तभी होगा जब वैश्विक तापन 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच



testpdf.com

जाएगा। हालाँकि, IPCC के हालिया आकलन से पता चला है कि तापमान में 1°C और 2°C के बीच गिरावट से टिपिंग प्वाइंट आ सकता है।

Source: https://indianexpress.com/article/world/climate-change/5-climate-tipping-points-un-climate-conference-9056993/

https://news.climate.columbia.edu/2021/11/11/how-close-are-we-to-climate-tipping-points/

**Q.81)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

भारत के संविधान के अनुच्छेद 76 में भारत के लिए महान्यायवादी के पद का प्रावधान किया गया है। वह देश के सर्वोच्च विधि अधिकारी हैं।

**कथन 1 गलत है:** भारत के महान्यायवादी सर्वोच्च न्यायालय में उन सभी मामलों में भारत सरकार की ओर से उपस्थित हो सकते हैं जिनमें भारत सरकार एक पक्षकार है। वह संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय को भेजे गए किसी भी संदर्भ में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व भी कर सकते हैं।

**कथन 2 सही है:** भारत के महान्यायवादी ऐसे विधिक मामलों पर भारत सरकार को सलाह दे सकते हैं, जो राष्ट्रपति द्वारा उन्हें संदर्भित किए जाते हैं।

**कथन 3 गलत है:** भारत के अटॉर्नी जनरल को किसी भी जटिलता और कर्तव्य के टकराव से बचने के लिए भारत सरकार के खिलाफ सलाह या संक्षिप्त जानकारी नहीं देनी चाहिए।

Source: Chapter 52 Attorney General of India, M Laxmikant

**Q.82)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

NDMA देश में आपदा प्रबंधन की सर्वोच्च संस्था है। यह केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।

**कथन 1 गलत है:** NDMA में एक अध्यक्ष और अन्य सदस्य होते हैं, जिनकी संख्या नौ से अधिक नहीं होती। प्रधानमंत्री NDMA के पदेन अध्यक्ष होते हैं। अन्य सदस्यों को NDMA के अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाता है। NDMA का अध्यक्ष सदस्यों में से एक को NDMA के उपाध्यक्ष के रूप में नामित करता है। उपाध्यक्ष को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त है जबकि अन्य सदस्यों को राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त है

**कथन 2 सही है:** NDMA प्रमुख आपदाओं से प्रभावित अन्य देशों को ऐसी सहायता प्रदान करता है जैसा कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित किया जा सकता है।

Source: Chapter 63 National Disaster ManagementAuthority, M Laxmikant

**Q.83)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) भारत की प्रमुख जांच एजेंसी है जिसकी स्थापना 1963 में भारत सरकार द्वारा की गई थी। CBI कोई सांविधिक संस्था नहीं है; इसे अपनी शक्ति दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम 1946 से प्राप्त होती है। यह कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र के तहत संचालित होता है।

**विकल्प 1 सही है:** एजेंसी की स्थापना संथानम समिति की सिफारिश के परिणामस्वरूप की गई थी। 1962 में, लाल बहादुर शास्त्री ने भ्रष्टाचार विरोधी समिति की अध्यक्षता के लिए संथानम को नियुक्त किया, समिति ने जनवरी 1963 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, और रिपोर्ट को "संथानम समिति रिपोर्ट" के रूप में जाना गया।

**विकल्प 2 सही है:** केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003 द्वारा CBI के निदेशक को CBI में दो साल के कार्यकाल की सुरक्षा प्रदान की गई है।
सीवीसी अधिनियम CBI निदेशक और CBI में SP और उससे ऊपर रैंक के अन्य अधिकारियों के चयन के लिए एक तंत्र भी प्रदान करता है।
**विकल्प 3 गलत है:** केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) की स्थापना 1963 में गृह मंत्रालय के एक प्रस्ताव द्वारा की गई थी। बाद में, इसे कार्मिक मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया और अब इसे एक संलग्न कार्यालय (Attached Office) का दर्जा प्राप्त है
Source: Indian Polity, M Laxmikanth: Chapter-58

**Q.84)**
**Ans) a**
**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**
**कथन 1 गलत है:** भारतीय संविधान का अनुच्छेद 30 धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों दोनों की पहचान करता है। इसमें कहा गया है, "सभी अल्पसंख्यकों को, चाहे वे धर्म या भाषा पर आधारित हों, अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और संचालित करने का अधिकार होगा।"
**कथन 2 गलत है:** राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (National Commission for Minorities) एक स्वायत्त निकाय है जिसकी स्थापना भारत सरकार ने 1992 में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 के तहत की थी।
**कथन 3 सही है:** अनुच्छेद 350-B भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए एक विशेष अधिकारी का प्रावधान करता है, जिसे भारत में भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए आयुक्त (Commissioner for Linguistic Minorities in India; CLM) के रूप में जाना जाता है, जो संविधान के तहत भारत में भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए प्रदान किए गए सुरक्षा उपायों से संबंधित सभी मामलों की जांच करता है। भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष अधिकारी की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
Source: http://164.100.166.181/safeguards/safeguards.pdf

**Q.85)**
**Ans) a**
**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**
हाल ही में, कोडेक्स एलिमेंटेरियस आयोग ने बाजरा पर मानकों के लिए भारत की प्रशंसा की। इसका उद्देश्य उपभोक्ता के स्वास्थ्य की रक्षा करना और खाद्य व्यापार में उचित व्यवहार सुनिश्चित करना शामिल है। भारत 1964 में कोडेक्स एलिमेंटेरियस का सदस्य बना और आयोग में 189 सदस्य हैं जिनमें 188 सदस्य देश और 1 सदस्य संगठन (यूरोपीय संघ) शामिल हैं।
**कथन 1 सही है:** कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAS) 1963 में स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता मानक-निर्धारण निकाय है। यह खाद्य और कृषि संगठन (FAO) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा बनाया गया है।
**कथन 2 गलत है**: कोडेक्स एलिमेंटेरियस में सभी प्रमुख खाद्य पदार्थों के लिए मानक शामिल हैं, चाहे उपभोक्ता को वितरण के लिए प्रसंस्कृत ,अर्ध-प्रसंस्कृत या कच्चा हो। कोडेक्स मानक और संबंधित नियम-विनियम प्रकृति में स्वैच्छिक हैं और राष्ट्र को आयोग द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करने के लिए बाध्य नहीं करते हैं।
Source: https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1981504
https://www.fao.org/fao-who-codexalimentarius/en/

**Q.86)**
**Ans) c**
**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**
**कथन 1 सही है:** कैबिनेट सचिवालय सीधे प्रधान मंत्री के अधीन कार्य करता है। कैबिनेट सचिवालय मंत्रालयों/विभागों में व्यापार के सुचारू लेनदेन की सुविधा के लिए भारत सरकार (व्यवसाय का लेनदेन) नियम, 1961 और भारत सरकार (व्यवसाय का आवंटन) नियम, 1961 के प्रशासन के लिए जिम्मेदार है।

testimpdf.com

**कथन 2 सही है:** कैबिनेट सचिवालय कैबिनेट समितियों-राजनीतिक मामलों की समिति, आर्थिक मामलों की समिति, नियुक्ति समिति और संसदीय मामलों की समिति (अध्यक्ष-गृह मंत्री) को सचिवीय सहायता प्रदान करता है। केंद्र सरकार में मुख्य समन्वय एजेंसी के रूप में कार्य करती है। इस संबंध में, यह मंत्रालयों के बीच विवादों का निपटारा करता है।
**कथन 3 गलत है:** वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग को विभिन्न मंत्रालयों को वित्तीय संसाधन आवंटित करने का काम सौंपा गया है।
**कथन 4 सही है:** कैबिनेट सचिवालय कैबिनेट और उसकी समितियों द्वारा लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए जिम्मेदार है।
Source: https://cabsec.gov.in/aboutus/functions/

**Q.87)**
**Ans) d**
**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**
चुनावी बॉण्ड ब्याज मुक्त वाहक बांड या धन उपकरण हैं जिन्हें भारत में कंपनियों और व्यक्तियों द्वारा भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की अधिकृत शाखाओं से खरीदा जा सकता है। ये बॉण्ड 1,000 रुपये, 10,000 रुपये, 1 लाख रुपये, 10 लाख रुपये और 1 करोड़ रुपये के गुणकों में बेचे जाते हैं। किसी राजनीतिक दल को दान देने के लिए उन्हें KYC-अनुपालक खाते के माध्यम से खरीदा जा सकता है।
**विकल्प 1 गलत है:** चुनावी बॉण्ड की अवधि केवल 15 दिनों की होती है, जिसके दौरान इसका उपयोग राजनीतिक दलों को दान देने के लिए किया जा सकता है।
**विकल्प 2 गलत है:** भारत सरकार ने अपनी 29 अधिकृत शाखाओं के माध्यम से चुनावी बॉण्ड जारी करने और भुनाने के लिए केवल भारतीय स्टेट बैंक (SBI) को अधिकृत किया है।
**विकल्प 3 गलत है:** चुनावी बॉण्ड के माध्यम से धन प्राप्त करने के लिए एक राजनीतिक दल को दो मानदंडों को पूरा करना होगा। पहला यह कि इसे लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 29A के तहत पंजीकृत होना चाहिए और दूसरा यह कि उसे लोकसभा या राज्य की विधान सभा के पिछले चुनाव में डाले गए वोटों का कम से कम एक प्रतिशत वोट प्राप्त होना चाहिए, वह चुनावी बॉण्ड प्राप्त करने के लिए पात्र है।
Source:
https://loksabhadocs.nic.in/Refinput/New_Reference_Notes/English/27072020_141527_102120474.pdf

**Q.88)**
**Ans) b**
**Exp) विकल्प b सही उत्तर है।**
भारत में परिसीमन आयोग जनसंख्या परिवर्तन के आधार पर संसदीय और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण के लिए जिम्मेदार निकाय है। परिसीमन आयोग का प्राथमिक उद्देश्य नवीनतम जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर प्रतिनिधित्व का निष्पक्ष और न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से समायोजित करना है।
**कथन 1 सही है.** परिसीमन आयोग में भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त एक अध्यक्ष और अन्य सदस्य होते हैं।
संरचना में अध्यक्ष के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त और परिसीमन प्रक्रिया में शामिल राज्यों के लिए संबंधित राज्य चुनाव आयुक्त शामिल हो सकते हैं।
**कथन 2 गलत है.** परिसीमन आयोग के लिए कानूनी ढांचा भारत की संसद द्वारा अधिनियमित परिसीमन अधिनियमों द्वारा प्रदान किया गया है। भारत में परिसीमन आयोग की स्थापना अब तक चार बार वर्ष 1952, 1962, 1972 और 2002 में की जा चुकी है।
**कथन 3 सही है और कथन 4 गलत है:** परिसीमन अधिनियम कहता है कि परिसीमन आयोग के आदेश अंतिम हैं और किसी भी अदालत के समक्ष इस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता क्योंकि इससे चुनाव अनिश्चित काल के लिए रुक जाएगा। जब

परिसीमन आयोग के आदेश संसद या राज्य विधानमंडल के समक्ष रखे जाते हैं, तो वे आदेशों में किसी भी संशोधन को प्रभावित नहीं कर सकते।

Source: https://old.eci.gov.in/delimitation-website/delimitation/#:~:text=The%20Delimitation%20Commission%20in%20India,of%20India%20in%20this%20behalf.

https://www.indiacode.nic.in/show-data?actid=AC_CEN_5_5_00002_196320_1517807317637&sectionId=15719&sectionno=41&orderno=43

**Q.89)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

**कथन 1 सही है:** दलबदल विरोधी कानून 1985 में 52वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के माध्यम से पारित किया गया था। इसने भारतीय संविधान में दसवीं अनुसूची जोड़ी और संविधान में चार अनुच्छेदों में संशोधन किया। (इसने अनुच्छेद 101, 102, 190 और 191 में संशोधन किया जो सीटों को खाली करने और सांसदों और विधायकों की अयोग्यता से संबंधित हैं।)

**कथन 2 सही है:** सदन के पीठासीन अधिकारी (लोकसभा में अध्यक्ष, राज्यसभा में सभापति) के पास दसवीं अनुसूची को प्रभावी करने के लिए नियम बनाने की शक्ति है। हालाँकि, इसे 30 दिनों के लिए सदन के सामने रखना होगा। सदन नियमों को संशोधित या अस्वीकृत कर सकता है।

**कथन 3 सही है**. यदि कोई स्वतंत्र सदस्य, स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतने के बाद, बाद के चरण में किसी राजनीतिक दल में शामिल होने का निर्णय लेता है, तो दल-बदल विरोधी कानून लागू होता है। कानून इसे दलबदल का कृत्य मानता है। किसी राजनीतिक दल में शामिल होने से, एक स्वतंत्र सदस्य एक स्वतंत्र सदस्य के रूप में अपनी स्थिति खो देता है। दल-बदल के साथ उसी तरह व्यवहार किया जाता है जैसे कोई सदस्य एक दल से दूसरे दल में जाता है।

**ज्ञानकोष**:

भारत में दल-बदल विरोधी कानून की मुख्य विशेषताएं:

1) **दल-बदल की परिभाषा**: कानून दल-बदल को स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ने या पार्टी के निर्देश के अनुसार विधायिका में स्वेच्छा से मतदान न करने के रूप में परिभाषित करता है।

2) **सदस्यों की अयोग्यता**: यदि किसी सदन (लोकसभा या राज्यसभा) या राज्य विधानमंडल का कोई सदस्य स्वेच्छा से उस राजनीतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है जिससे वे चुने गए थे, या पार्टी व्हिप के विरुद्ध मतदान करते हैं, तो उन्हें अयोग्यता का सामना करना पड़ सकता है। .

3) **अयोग्यता के अपवाद**: अयोग्यता के कुछ अपवाद हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई सदस्य किसी राजनीतिक दल के किसी अन्य दल में विलय का हिस्सा है और मूल दल के एक-तिहाई सदस्य दूसरे दल में शामिल हो जाते हैं तो उन्हें अयोग्य नहीं ठहराया जाता है।

4) **संशोधन**: खामियों को दूर करने और इसके प्रावधानों को मजबूत करने के लिए दल-बदल विरोधी कानून में पिछले कुछ वर्षों में संशोधन हुए हैं। 2003 के 91 वें संशोधन अधिनियम ने कानून के कुछ पहलुओं को स्पष्ट किया।

Source: https://prsindia.org/files/parliament/discussion_papers/The_Anti-Defection_Law.pdf

testinpdf.com

**Q.90)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**

हाल ही में, माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिल दर्शकों के लिए अपने हिंदी भाषण के वास्तविक समय में अनुवाद की सुविधा के लिए भारतीय भाषा में AI टूल 'भाषिणी' का उपयोग किया। इस AI-संचालित टूल ने विविध भाषाई दर्शकों के बीच प्रभावी संचार और समझ को सक्षम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो प्रधान मंत्री के संबोधन के दौरान भाषा अनुवाद में प्रौद्योगिकी के एकीकरण का उदाहरण है।

**विकल्प d सही है:** भाषिणी का लक्ष्य इंटरनेट पर भारतीय भाषाओं में सामग्री को बढ़ाना है, विशेष रूप से सार्वजनिक हित के क्षेत्रों जैसे शासन और नीति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी इत्यादि में। यह नागरिकों को अपनी भाषा में इंटरनेट का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। इसके अलावा भाषिणी भारत में भाषाई अंतर को पाटने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का लाभ उठाते हुए एक स्थानीय भाषा अनुवाद पहल का कार्य करती है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeiTY) की एक प्रमुख पहल है और इसका उद्देश्य वेबसाइटों को अधिक बहुभाषी और इंटरैक्टिव बनाना है।

Source: https://www.thehindu.com/sci-tech/technology/indian-language-ai-tool-bhashini-used-to-translate-prime-minister-narendra-modis-speech/article67649545.ece

https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1827997#:~:text=to%20increase%20the-,content,-in%20Indian%20languages

**Q.91)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है**

प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) भारत में पुलिस द्वारा किसी अपराध के बारे में प्राप्त जानकारी के आधार पर तैयार किया गया एक लिखित दस्तावेज है। एफआईआर आम तौर पर अपराध के पीड़ित, प्रत्यक्षदर्शी या अपराध के बारे में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति द्वारा दर्ज की जाती है। इसे उस पुलिस स्टेशन में दायर किया जा सकता है, जिसके अधिकार क्षेत्र में अपराध हुआ है।

**कथन 1 गलत है|** संज्ञेय अपराध (असंज्ञेय नहीं) की सूचना मिलने पर एफआईआर दर्ज करना पुलिस के लिए कानूनी दायित्व है। संज्ञेय अपराध वह अपराध है जिसके लिए पुलिस बिना वारंट के गिरफ्तारी कर सकती है। पुलिस एफआईआर दर्ज करने से इनकार नहीं कर सकती क्योंकि ऐसा करना उनका कर्तव्य है। एफआईआर जांच प्रक्रिया शुरू करती है। पुलिस साक्ष्य एकत्र करती है, गवाहों का साक्षात्कार लेती है और एफआईआर में दी गई जानकारी के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करती है।

**कथन 2 सही है|** एफआईआर के लिए सूचना देने वाले व्यक्ति को एफआईआर की एक प्रति निःशुल्क प्राप्त करने का अधिकार है। एफआईआर में घटना के बारे में आवश्यक विवरण शामिल हैं, जिनमें शामिल हैं:

- अपराध की तिथि, समय और स्थान|
- पीड़ितों, आरोपियों और गवाहों के नाम और पते।
- घटना का संक्षिप्त सारांश|
- अपराध में शामिल किसी भी संपत्ति या वस्तुओं का विवरण|

**ज्ञानधार:** एफआईआर के विस्तृत पहलू:

**पुलिस द्वारा रिकॉर्डिंग**: सूचना प्राप्त करने वाला पुलिस अधिकारी लिखित रूप में एफआईआर दर्ज करता है। सूचना प्रदान करने वाले व्यक्ति को यह मांग करने का अधिकार है कि एफआईआर उन्हें पढ़ कर सुनाई जाए।

प्रतिलिपि का अधिकार: एफआईआर दर्ज कराने वाले व्यक्ति को एफआईआर की निःशुल्क प्रति प्राप्त करने का अधिकार है। यह प्रति व्यक्ति के रिकॉर्ड के लिए आवश्यक है और कानूनी कार्यवाही के लिए इसकी आवश्यकता हो सकती है।

**हस्ताक्षर और मुहर**: एफआईआर दर्ज करने वाला व्यक्ति अक्सर यह सुनिश्चित करने के बाद हस्ताक्षर करता है कि सामग्री सही ढंग से दर्ज की गई है। थाने का प्रभारी अधिकारी भी एफआईआर पर हस्ताक्षर करता है और मुहर लगाता है।

**गोपनीयता**: एफआईआर में दी गई जानकारी को आम तौर पर जांच के दौरान गोपनीय माना जाता है।

**जांच में भूमिका**: एफआईआर आपराधिक जांच का शुरुआती बिंदु है। यह पुलिस को सबूत इकट्ठा करने, गवाहों का साक्षात्कार लेने और आगे की कानूनी कार्रवाई करने में मार्गदर्शन करता है।

**साक्ष्य के रूप में एफआईआर**: मुकदमे के दौरान एफआईआर को साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह अदालती कार्यवाही में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज के रूप में कार्य करता है।

Source: https://Indianexpress.com/article/explained/everyday-explainers/fir-cognizable-offence-ipc-explained-7780266/

**Q.92)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है**

मंत्रालय, सरकार के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और नीतियों को लागू करने, संसाधनों के प्रबंधन और शासन के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करने में सहायक होते हैं। मंत्रालय अपने विशिष्ट फोकस क्षेत्रों से संबंधित नीतियां बनाने के लिए जिम्मेदार हैं। वे सरकार के दृष्टिकोण और लक्ष्यों को क्रियाशील योजनाओं और कार्यक्रमों में बदलने में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं।

**कथन-I गलत है।** भारत सरकार के मंत्रालय और विभाग भारत के प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति (प्रधान मंत्री नहीं) द्वारा बनाए जाते हैं। मंत्रालय नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए, वित्त और कर्मियों सहित संसाधनों का प्रबंधन और आवंटन करते हैं। वे वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए संसाधनों का कुशल उपयोग सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

**कथन-II सही है।** भारत सरकार के व्यवसाय के लेन-देन नियम, 1961, सरकारी व्यवसाय के संचालन के लिए प्रक्रियात्मक ढांचा प्रदान करते हैं। व्यापार नियमों का लेनदेन भारत के संविधान के अनुच्छेद 77 के तहत बनाया गया है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 77 सरकारी कामकाज के संचालन और भारत के राष्ट्रपति और संघ के बीच कार्यकारी शक्तियों के वितरण से संबंधित है।

**ज्ञानधार:**

भारत सरकार के कुछ प्रमुख मंत्रालय और विभाग:

1) गृह मंत्रालय: आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और नागरिकता संबंधी मुद्दों के लिए जिम्मेदार।
2) विदेश मंत्रालय: भारत के विदेशी संबंधों से संबंधित है।
3) वित्त मंत्रालय: आर्थिक नीति तैयार करता है, वित्तीय संसाधनों का प्रबंधन करता है और वित्तीय संस्थानों की देखरेख करता है।
4) रक्षा मंत्रालय: सशस्त्र बलों और राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित मामलों से संबंधित है।
5) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय: सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य देखभाल नीतियों का प्रबंधन करता है।
6) शिक्षा मंत्रालय: शिक्षा नीतियों और कार्यक्रमों के लिए जिम्मेदार।
7) कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय: कृषि, ग्रामीण विकास और किसानों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करता है।
8) महिला एवं बाल विकास मंत्रालय: महिलाओं और बच्चों से संबंधित नीतियों और कार्यक्रमों पर काम करता है।
9) सूचना और प्रसारण मंत्रालय: मास मीडिया, प्रसारण और सूचना प्रसार से संबंधित है।
10) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय: वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी प्रगति से संबंधित नीतियां बनाता है।
11) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय: पर्यावरणीय मुद्दों, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन को संबोधित करता है।

Source:
https://cabsec.gov.in/writereaddata/transactionofbusinessrulescomplete/completeaobrules/english/1_Upload_2214.pdf

**Q.93)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है**

भारत के राष्ट्रपति का चुनाव भारतीय संविधान के अनुच्छेद 54 के अंतर्गत आता है। अनुच्छेद 54 उस तरीके की रूपरेखा देता है जिसमें राष्ट्रपति का चुनाव किया जाना है और चुनाव के लिए जिम्मेदार निर्वाचक मंडल को निर्दिष्ट करता है:

**कथन 1 गलत है**: राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाएगा, जिसमें केवल संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्यों के साथ-साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य शामिल होंगे। मनोनीत सदस्य चुनाव में भाग नहीं लेते हैं।

testinpdf.com

**कथन 2 सही है**: प्रत्येक विधायक (विधान सभा सदस्य) के वोट का मूल्य उस राज्य की जनसंख्या के आधार पर निर्धारित किया जाता है जिसका वह प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए, विधायक का वोट मूल्य अलग-अलग राज्यों में बदलता रहता है। पूरे देश में सांसदों (संसद सदस्यों) के वोटों का मूल्य एक समान है।

**कथन 3 सही है**: आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार चुनाव: राष्ट्रपति का चुनाव एकल संक्रमणीय वोट के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार किया जाता है। किसी उम्मीदवार को राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित घोषित करने के लिए, उन्हें वोटों का एक निश्चित कोटा हासिल करना होगा। यह कोटा निर्वाचक मंडल के वोटों के कुल मूल्य के आधार पर निर्धारित किया जाता है।

Source: Indian Polity: M Lakshmikanth, chapter 4, 17

**Q.94)**

**Ans) b**

**Exp) विकल्प b सही उत्तर है**

राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत (डीपीएसपी) भारतीय संविधान के भाग IV (अनुच्छेद 36-51) में निहित हैं और इसमें ऐसे सिद्धांत शामिल हैं जो न्याय, सामाजिक और आर्थिक कल्याण और अंतरराष्ट्रीय शांति को बढ़ावा देने में राज्य का मार्गदर्शन करते हैं।

**कथन a सही है|** भारत के संविधान में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों (डीपीएसपी) के अनुच्छेद 47 में वास्तव में औषधीय प्रयोजनों को छोड़कर, स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नशीले पेय और दवाओं के सेवन पर प्रतिबंध लगाने के राज्य के प्रयास का उल्लेख है।

**कथन b गलत है।** भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत (डीपीएसपी) विधायी या कार्यकारी शाखाओं पर प्रत्यक्ष सीमाएं नहीं लगाते हैं। लेकिन अदालतें कानूनों की व्याख्या करते समय डीपीएसपी पर विचार कर सकती हैं। यदि कोई कानून अस्पष्ट है या विभिन्न व्याख्याओं के लिए खुला है, तो अदालतें विधायी इरादे को समझने और निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप कानून की व्याख्या करने के लिए डीपीएसपी को देख सकती हैं। वाक्यांश 'राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत' उन आदर्शों को दर्शाता है जिन्हें राज्य को नीतियां बनाते और कानून बनाते समय ध्यान में रखना चाहिए। ये विधायी, कार्यकारी और प्रशासनिक मामलों में राज्य के लिए संवैधानिक निर्देश या सिफारिशें हैं।

**कथन c सही है।** भारतीय संविधान में राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत (डीपीएसपी) भारत सरकार अधिनियम, 1935 से प्रभावित थे। निदेशक सिद्धांत 1935 के भारत सरकार अधिनियम में उल्लिखित 'निर्देशों के साधन' से मिलते जुलते हैं। भारतीय संविधान के निर्माता, सिद्धांतों का एक व्यापक और संतुलित सेट तैयार करने के लिए, जो शासन में राज्य का मार्गदर्शन करेगा, विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों का सहारा लिया।

**कथन d सही है।** भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत (डीपीएसपी) न्यायसंगत नहीं हैं, लेकिन वे शासन और नीति निर्माण के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं। मौलिक अधिकारों (संविधान का भाग III) के विपरीत, जो कानूनी रूप से लागू करने योग्य हैं और यदि व्यक्ति अपने मौलिक अधिकारों का उल्लंघन महसूस करते हैं तो वे अदालतों का दरवाजा खटखटा सकते हैं, डीपीएसपी व्यक्तियों को प्रवर्तनीय अधिकार प्रदान नहीं करता है, और व्यक्ति सरकार के विरुद्ध इन सिद्धांतों को लागू करने के लिए अदालतों का दरवाजा नहीं खटखटा सकते हैं।

**ज्ञानधार:**

राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों (डीपीएसपी) का महत्व:

**नीति मार्गदर्शन**: DPSP सरकार को नीति मार्गदर्शन प्रदान करता है। कानून और नीतियां बनाते समय विधायिका और कार्यपालिका से डीपीएसपी में निर्धारित सिद्धांतों को ध्यान में रखने की अपेक्षा की जाती है।

कानूनों की व्याख्या: अदालतें, कानूनों की व्याख्या करते समय डीपीएसपी पर विचार कर सकती हैं। यदि कोई कानून अस्पष्ट है या विभिन्न व्याख्याओं के लिए खुला है, तो अदालतें विधायी इरादे को समझने और निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप कानून की व्याख्या करने के लिए डीपीएसपी को देख सकती हैं।

मौलिक अधिकारों के साथ सामंजस्य: DPSP स्वयं लागू करने योग्य नहीं हैं, जबकि उनका उद्देश्य मौलिक अधिकारों (संविधान के भाग III) के साथ सामंजस्य स्थापित करना है।

न्यायिक समीक्षा: जबकि डीपीएसपी को सीधे लागू नहीं किया जा सकता है, न्यायपालिका यह सुनिश्चित करने के लिए कानूनों और नीतियों की समीक्षा कर सकती है कि वे संविधान के भाग III के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते हैं।

संविधान में संशोधन: सरकार डीपीएसपी के लक्ष्यों के अनुरूप परिवर्तन लाने के लिए संविधान में संशोधन कर सकती है।

Source: Indian Polity: M Lakshmikanth, chapter 8

**Q.95)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

देश भर में लकड़ी, बांस और अन्य वन उपज के निर्बाध पारगमन प्रदान करने के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा हाल ही में राष्ट्रीय पारगमन पास प्रणाली शुरू की गई थी। वर्तमान में, 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने एकीकृत परमिट प्रणाली को अपनाया है, जो उत्पादकों, किसानों और ट्रांसपोर्टरों के लिए अंतरराज्यीय व्यापार संचालन को सुव्यवस्थित करता है|

**कथन 2 सही है**: राष्ट्रीय पारगमन पास प्रणाली राज्यों के भीतर और उनके बीच लकड़ी, बांस और अन्य लघु वन उपज के परिवहन के लिए पारगमन परमिट की निगरानी और दस्तावेज़ीकरण में सहायता करती है। यह क्यूआर-कोडित पारगमन परमिट उत्पन्न करता है, जिससे राज्यों में चौकियों पर सत्यापन सक्षम होता है और सुचारू पारगमन सुनिश्चित होता है।

**कथन 3 गलत है**: राष्ट्रीय पारगमन पास प्रणाली निजी भूमि/सरकारी/निजी डिपो और अन्य लघु वन उपज से लकड़ी और बांस के अंतर-राज्य और अंतर-राज्य परिवहन के लिए पारगमन परमिट की निगरानी और रिकॉर्ड रखने में मदद करती है।

Source: https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1991540

https://ntps.nic.in/writereaddata/FAQ.pdf

**Q.96)**

**Ans) d**

**Exp) विकल्प d सही उत्तर है।**

विधान सभा, जिसे राज्य विधान सभा भी कहा जाता है, राज्य का विधायी निकाय है। भारत के 3 केंद्र शासित प्रदेशों और 22 राज्यों में एक सदनीय विधानमंडल है, और 6 राज्यों में द्विसदनीय विधानमंडल है। विधान परिषद, जिसे राज्य विधान परिषद भी कहा जाता है, राज्य का मुख्य उच्च सदन है। विधान परिषद की स्थापना को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 169 में परिभाषित किया गया है।

**विकल्प a गलत है**: विधान परिषद की न्यूनतम संख्या किसी भी स्थिति में 40 से कम नहीं होनी चाहिए, जबकि किसी राज्य की विधान सभा में 60 से कम सदस्य नहीं होते हैं। अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और गोवा जैसे कुछ राज्यों में विधानसभा की न्यूनतम संख्या 30 सदस्य निर्धारित है, जबकि मिजोरम और नागालैंड के लिए यह क्रमशः 40 और 46 निर्धारित है।

**विकल्प b गलत है:** किसी राज्य की विधान परिषद में राज्य की विधान सभा में सदस्यों की कुल संख्या के एक तिहाई से अधिक सदस्य नहीं होते हैं, जबकि किसी राज्य की विधान सभा में 500 से अधिक सदस्य नहीं होते हैं।

**विकल्प c गलत है:** विधान परिषद का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु 30 वर्ष है, जबकि विधान सभा के मामले में यह 25 वर्ष है।

**विकल्प d सही है**: विधान परिषद के सदस्य 6 वर्ष की अवधि के लिए कार्य करते हैं, जबकि विधान सभा के सदस्य 5 वर्ष की अवधि के लिए कार्य करते हैं।

Source: Indian Polity, M Laxmikanth: Chapter-33

https://knowindia.india.gov.in/profile/the-states.php

testinpdf.com

**Q.97)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

भारतीय संविधान अपनी विषय-वस्तु और भावना में अद्वितीय है। यद्यपि भारत के संविधान को दुनिया के लगभग हर संविधान से उधार लिया गया है, फिर भी भारत के संविधान में कई प्रमुख विशेषताएं हैं जो इसे अन्य देशों के संविधान से अलग करती हैं।

**कथन a सही है**: संविधान का पहला कार्य बुनियादी नियमों का एक सेट प्रदान करना है, जो समाज के सदस्यों के बीच न्यूनतम समन्वय की अनुमति देता है। किसी भी समूह को न्यूनतम स्तर का समन्वय प्राप्त करने के लिए कुछ बुनियादी नियमों की आवश्यकता होगी जो सार्वजनिक रूप से प्रख्यापित हों और उस समूह के सभी सदस्यों को ज्ञात हों। मौलिक अधिकारों और डीपीएसपी में निहित विभिन्न प्रावधानों वाला भारतीय संविधान इस उद्देश्य को पूरा करता है।

**कथन b सही है**: संविधान का दूसरा कार्य यह निर्दिष्ट करना है कि समाज में निर्णय लेने की शक्ति किसके पास है। यह तय करता है कि सरकार का गठन कैसे होगा| उदाहरण के लिए, संसद को कानून और नीतियां तय करने का काम मिलता है, और संसद को एक विशेष तरीके से संगठित किया जाना चाहिए। किसी भी समाज में कानून क्या है, इसकी पहचान करने से पहले, आपको यह पहचानना होगा कि इसे लागू करने का अधिकार किसके पास है।

**कथन c गलत है**: भारत का संविधान न तो कठोर है और न ही लचीला है, बल्कि दोनों का संश्लेषण है। भारत के संविधान में अमेरिकी राष्ट्रपति शासन प्रणाली के बजाय ब्रिटिश संसदीय शासन प्रणाली को चुना गया है। शासन प्रणाली को आसानी से नहीं बदला जा सकता क्योंकि इसे सर्वोच्च न्यायालय ने बुनियादी ढांचे का हिस्सा माना है।

**कथन d सही है:** संविधान का दूसरा कार्य सरकार को समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने और न्यायपूर्ण समाज के लिए परिस्थितियाँ बनाने में सक्षम बनाना है। संविधान केवल सरकार की शक्तियों को नियंत्रित करने वाले नियम और कानून नहीं हैं। वे समाज की सामूहिक भलाई के लिए सरकार को शक्तियाँ भी देते हैं।

Source: chap1Working.pmd (ncert.nic.in)

**Q.98)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

**कथन a सही है**: राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना जनवरी 1992 में राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 के तहत वैधानिक निकाय के रूप में की गई थी। इसकी स्थापना महिलाओं के लिए संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने के लिए की गई थी। यह उपचारात्मक विधायी उपायों की सिफारिश करता है, शिकायतों के निवारण की सुविधा प्रदान करता है और महिलाओं को प्रभावित करने वाले सभी नीतिगत मामलों पर सरकार को सलाह देता है।

**कथन b सही है**: राष्ट्रीय महिला आयोग, संविधान और अन्य कानूनों के तहत महिलाओं के लिए प्रदान किए गए सुरक्षा उपायों से संबंधित सभी मामलों की जांच और परीक्षण करता है।

**कथन c गलत है**: इसके पास अपने स्वयं के सदस्यों को चुनने की शक्ति नहीं है। सदस्यों के चयन की शक्ति केंद्र सरकार में निहित है और देश के अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य की प्रकृति के कारण आयोग का राजनीतिकरण हो जाता है।

**कथन d सही है**: राष्ट्रीय महिला आयोग शिकायतों पर गौर करता है, और महिलाओं के अधिकारों से वंचित होने, कानूनों का गैर-कार्यान्वयन और महिला समाज के कल्याण की गारंटी देने वाले नीतिगत निर्णयों का अनुपालन न करने से संबंधित मामलों पर स्वत: संज्ञान लेता है।

Source: National Commission for Women | ForumIAS Blog

About the Commission | National Commission for Women (ncw.nic.in)

**Q.99)**

**Ans) c**

**Exp) विकल्प c सही उत्तर है।**

testinpdf.com

**विकल्प a गलत है|** भारतीय परिषद अधिनियम, 1909 ने केंद्रीय और प्रांतीय दोनों विधान परिषदों के आकार में वृद्धि की। इसने केंद्रीय विधान परिषद में आधिकारिक बहुमत बरकरार रखा, लेकिन प्रांतीय विधान परिषदों को गैर-सरकारी बहुमत की अनुमति दी। इसने दोनों स्तरों पर विधान परिषदों के विचार-विमर्श कार्यों को बढ़ाया। इसने (पहली बार) वायसराय और गवर्नरों की कार्यकारी परिषदों के साथ भारतीयों के जुड़ाव का प्रावधान किया। इसने 'पृथक निर्वाचन क्षेत्र' की अवधारणा को स्वीकार करके मुसलमानों के लिए सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व की एक प्रणाली शुरू की। इसने प्रेसीडेंसी निगमों, वाणिज्य मंडलों, विश्वविद्यालयों और जमींदारों के अलग-अलग प्रतिनिधित्व का भी प्रावधान किया|

**विकल्प b गलत है|** भारत सरकार अधिनियम, 1935 में एक अखिल भारतीय संघ की स्थापना का प्रावधान था, जिसमें प्रांतों और रियासतों को इकाइयों के रूप में शामिल किया गया था। अधिनियम ने केंद्र और इकाइयों के बीच शक्तियों को तीन सूचियों-संघीय सूची, प्रांतीय सूची और समवर्ती सूची के रूप में विभाजित किया। अवशिष्ट शक्तियां वायसराय को दे दी गईं। इसने प्रांतों में द्वैध शासन को समाप्त कर दिया और उसके स्थान पर 'प्रांतीय स्वायत्तता' की शुरुआत की। इसमें केंद्र में द्वैध शासन को अपनाने का प्रावधान किया गया। इसने ग्यारह प्रांतों में से छह में द्विसदनीयता की शुरुआत की।

**विकल्प c सही है|** भारत सरकार अधिनियम, 1919 ने केंद्रीय और प्रांतीय विषयों का सीमांकन और पृथक्करण करके प्रांतों पर केंद्रीय नियंत्रण को शिथिल कर दिया। इसने प्रांतीय विषयों को दो भागों में विभाजित किया- हस्तांतरित और आरक्षित। इसने पहली बार देश में द्विसदनीय व्यवस्था और प्रत्यक्ष चुनाव की शुरुआत की। इस प्रकार, भारतीय विधान परिषद को एक द्विसदनीय विधायिका द्वारा प्रतिस्थापित किया गया, जिसमें एक उच्च सदन (राज्य परिषद) और एक निचला सदन (विधान सभा) शामिल था। दोनों सदनों के अधिकांश सदस्य प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुने गये।

**विकल्प d गलत है|** भारतीय परिषद अधिनियम, 1892 ने केंद्रीय और प्रांतीय विधान परिषदों में अतिरिक्त (गैर-आधिकारिक) सदस्यों की संख्या में वृद्धि की। इसने विधान परिषदों के कार्यों में भी वृद्धि की और उन्हें बजट पर चर्चा करने और कार्यपालिका को प्रश्न पूछने की शक्ति दी। इसमें (ए) केंद्रीय विधान परिषद के कुछ गैर-आधिकारिक सदस्यों को वायसराय द्वारा, और (बी) प्रांतीय विधान परिषदों के राज्यपालों द्वारा नामांकन का प्रावधान किया गया था।

Source: page 58 chapter 1 - Historical Background - M. LAXMIKANT

**Q.100)**

**Ans) a**

**Exp) विकल्प a सही उत्तर है।**

जीवाश्म ईंधन अप्रसार संधि 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन की वार्ता के संदर्भ में खबरों में आई। 2015 में छोटे प्रशांत द्वीपों से उत्पन्न इस संधि के विचार ने COP28 के दौरान जोर पकड़ लिया। चर्चाएँ, विशेषकर तब जब कई देश अपने राष्ट्रीय हितों के कारण जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की भाषा का समर्थन करने से बचते हैं।

**कथन 1 गलत है**: जीवाश्म ईंधन अप्रसार संधि (एफएफएनपीटी) पहल का नेतृत्व विश्व बैंक द्वारा नहीं किया गया है; बल्कि इसका नेतृत्व 12 राष्ट्र-राज्यों - वानुअतु, तुवालु, टोंगा, फिजी, सोलोमन द्वीप, नीयू, एंटीगुआ और बारबुडा, तिमोर-लेस्ते, पलाऊ, कोलंबिया, समोआ और नाउरू के गुट द्वारा किया जाता है - जो COP28 में शामिल हुए। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया गया। इन नागरिकों ने अन्य सरकारों से जीवाश्म ईंधन पर एक नई संधि के लिए बातचीत का जनादेश प्राप्त करने में उनके साथ शामिल होने का आह्वान किया।

**कथन 2 सही है**: एफएफएनपीटी पहल वास्तव में राष्ट्रों द्वारा नए कोयला, तेल और गैस उत्पादन के विस्तार को समाप्त करने का आह्वान करती है। यह प्रस्तावित संधि का मुख्य उद्देश्य है - जीवाश्म ईंधन निर्भरता की वृद्धि को रोकना और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में संक्रमण में तेजी लाना है।

**कथन 3 गलत है**: एफएफएनपीटी पहल विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने में सहायता करने के लिए 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वार्षिक सदस्यता राशि के साथ एक समर्पित जलवायु कोष का प्रस्ताव नहीं करती है।

Source: https://timesofindia.indiatimes.com/india/idea-of-fossil-fuel-non-proliferation-treaty-gets-traction-at-cop28/articleshow/105919971.cms?from=mdr
https://fossilfueltreaty.org/#:~:text=nation%2Dstates%20%2D-,Vanuatu,-%2C%20Tuvalu%2C%20Tonga%2C%20Fiji